उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 20 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 15 जून-2026

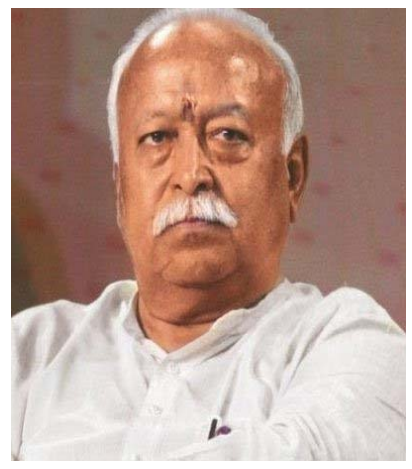

अंदर के पृष्ठ पर

थाईलैंड की भावी महारानी प्रिंसेस भा का निधन, उत्तराधिकार को लेकर बढ़ी अनिश्चितता 5

स्वर्ण शताब्दी में सवार थे मोहन भागवत फिरोजाबाद के पास ट्रेन पर पथराव 3

दहशत

मुरैना में रेल हादसा

ट्रेन में आग की अफवाह सुनकर कूदे,यात्री, दूसरी ट्रेन की चपेट में आए, छह लोगों की मौत

» बीपीएस न्यूज

मुरैना जिले के हेतमपुर और घेर रेलवे स्टेशनों के बीच रविवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद घबराए यात्रियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोक दी। इसके बाद कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर रेलवे ट्रैक पर आ गए और दूसरी लाइन पर आ रही पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आ गए।

हादसे में तीन महिलाओं और एक मासूम बच्चे समेत कुल छह लोगों की मौत की सूचना है, जबकि कई अन्य यात्री घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि मृतकों और घायलों की संख्या को लेकर प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।जानकारी के मुताबिक, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ग्वालियर से मुरैना की ओर जा रही थी। इसी दौरान किसी यात्री ने डिब्बे में आग लगने की बात कही, जिससे बोगी में अफरातफरी मच गई। घबराए यात्रियों ने आपातकालीन चेन खींचकर ट्रेन रोक दी और कई लोग नीचे उतर गए। इसी दौरान पास की लाइन पर धौलपुर की ओर से आ रही पातालकोट एक्सप्रेस वहां पहुंच गई और कुछ यात्री उसकी चपेट में आ गए।घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और मुरैना पुलिस की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया तथा मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मृतकों की पहचान करने और उनके परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया जारी है।इस हादसे के चलते दिल्ली-मुंबई मुख्य रेल मार्ग पर कुछ समय के लिए रेल यातायात प्रभावित रहा। कई ट्रेनों को रास्ते में रोका गया, जबकि प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गईं। बाद में ट्रैक को क्लियर कर रेल यातायात सामान्य किया गया।

रेलवे प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में ट्रेन में आग लगने की पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों का मानना है कि अफवाह के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस और रेलवे की टीमें सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं।

सोलापुर में भीषण हादसा: पिकअप वैन कुएं में गिरी, दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

» बीपीएस न्यूज

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले की मालशिरस तहसील में एक पिकअप गाड़ी सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई, जिससे चार महिलाओं और चार बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। महाराष्ट्र के सोलापुर में भीषण हादसा हो गया है। जानकारी के मुताबिक, श्रद्धालुओं से भरी पिकअप वैन कुएं में गिर गई, इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ये हादसा मलशिरस तालुका के तंदुलवाड़ी गांव के पास म्हास्वड-पंढरपुर रोड पर हुआ, जिसमें पिकअप गाड़ी का ब्रेक फेल होने के कारण वह कुएं में गिर गई। इस हादसे में मरने वाले लोग म्हास्वड के सिद्धनाथ मंदिर के दर्शन करके अपने गांव लौट रहे श्रद्धालु थे।

चार महिला और चार बच्चों की मौत, सात घायल

पुलिस ने बताया कि रविवार को सोलापुर जिले की मालशिरस तहसील में एक पिकअप गाड़ी सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई, जिससे चार महिलाओं और चार बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, जब यह हादसा तंदुलवाड़ी गांव के पास हुआ, तो गाड़ी में 15 लोग सवार थे। सोलापुर के पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी ने कहा, शुरुआती जानकारी के मुताबिक, 15 लोगों को ले जा रही पिकअप गाड़ी ड्राइवर का नियंत्रण खोने के बाद सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई। हादसे में चार महिलाओं और चार बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि गाड़ी को कुएं से बाहर निकाला जा रहा है और घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा है।

एग्जाम स्पेशल ट्रेन में देरी पर भड़के छात्र, स्टेशन पर की तोड़फोड़

पथराव में रेल आईजी घायल, पुलिस ने संभाला मोर्चा

» बीपीएस न्यूज

पटना । पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात छात्रों ने जमकर बवाल काटा। दरअसल, बिहार पुलिस मद्य निषेध विभाग की भर्ती परीक्षा देने जा रहे हजारों छात्र ट्रेनों की कमी और उनके लेट होने से नाराज थे। देखते ही देखते यह गुस्सा हिंसक प्रदर्शन में बदल गया। गुस्साए छात्रों ने रेलवे ट्रैक पर कूदकर ट्रेनों को रोक दिया, पथराव किया और एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ भी की। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को आंसू-गैस के गोले छोड़ने पड़े।मद्य निषेध विभाग की परीक्षा दो शिफ्टों में होनी थी, जिसके लिए हजारों छात्र रात में ही स्टेशन पहुंच गए थे। स्टेशन पर पर्याप्त ट्रेनें न होने और गाड़ियों के लेट होने की वजह से छात्रों को डर सताने लगा कि कहीं उनका एग्जाम न छूट जाए। इसी बीच जब पाटलिपुत्र से कटिहार के लिए चलाई गई एग्जाम स्पेशल ट्रेन स्टेशन पहुंची, तो छात्रों में अफरातफरी मच गई। नाराज छात्र ट्रेन के आगे पटरी पर लेट गए और रेल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे, जिससे ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई।इस हंगामे की वजह से पाटलिपुत्र स्टेशन से गुजरने वाली कई जरूरी ट्रेनों का सफर रुक गया। राजधानी एक्सप्रेस समेत कई बड़ी ट्रेनों को बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा, जबकि कुछ ट्रेनों का रूट बदलना पड़ा। घटना की खबर मिलते ही रेल आईजी जितेंद्र राणा, रेल एसपी, आरपीएफ और जिला पुलिस के कई सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों को समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं माने। इस दौरान हुए पथराव में रेल आईजी जितेंद्र राणा और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और आंसू-गैस के गोले छोड़े गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, खुद रेल आईजी ने हाथ में पिस्तौल लेकर पुलिस बल का नेतृत्व किया।पटना के डीएम डॉ. थियागराजन ने बताया कि आधी रात को उपद्रव की सूचना मिली थी। प्रशासन ने छात्रों से हंगामा न करने और परीक्षा देने वाले दूसरे अभ्यर्थियों का सहयोग करने की अपील की थी। लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर माहौल खराब किया और दो विशेष ट्रेनें मौजूद होने के बावजूद नई मांगें रखने लगे। उन्होंने एग्जाम देने जा रहे छात्रों को भी रोका, जिसके बाद पुलिस को एक्शन लेना पड़ा। फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है, ट्रेनें रवाना हो चुकी हैं ।

ओमान तट के पास डूबा भारत के झंडे वाला जहाज विराट-1 यूएस ने तुरंत पहुंचाई मदद; सभी 14 भारतीय सुरक्षित

- बचाव अभियान कैसे शुरू हुआ और किसने मदद की?
- व्यापारी जहाज ने बचाव में क्या भूमिका निभाई?
- होर्मुज क्षेत्र में यह घटना क्यों महत्वपूर्ण मानी जा रही है?

» बीपीएस न्यूज

ओमान के तट के पास समुद्र में उस वक्त एक बड़ा हादसा टल गया, जब 14 भारतीय नागरिकों को लेकर जा रही एक जहाज अचानक डूबने लगा। इस घटना की सूचना मिलते ही अमेरिकी नौसेना, भारतीय नौसेना और पास से गुजर रहे एक व्यापारी जहाज ने संयुक्त रूप से बचाव अभियान शुरू किया। समय रहते सभी 14 भारतीयों को जीवनरक्षक नौका (लाइफ राफ्ट) में सुरक्षित पहुंचा दिया गया। अधिकारियों के अनुसार यह घटना ओमान के रास अल हद्द से लगभग 80 नॉटिकल मील पूर्व में हुई। समुद्र में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चुनौतियों के बीच यह सफल बचाव अभियान राहत की खबर लेकर आया है।

कुछ मीजिया रिपोर्ट्स के अनुसार 14 जून की सुबह अमेरिकी नौसेना को सूचना मिली कि भारतीय नागरिकों को लेकर जा रही नौका संकट में है और उसके डूबने का खतरा पैदा हो गया है। इसके बाद अमेरिकी नौसेना ने तटीय अधिकारियों और भारतीय नौसेना को अलर्ट किया। अमेरिकी नौसेना के पी-8 समुद्री निगरानी विमान ने तुरंत मौके पर पहुंचकर एक जीवनरक्षक नौका समुद्र में गिराई और पूरी निकासी प्रक्रिया पर नजर रखी। नौका पर सवार सभी 14 लोग सुरक्षित रूप से इस जीवनरक्षक नौका में पहुंच गए। इसके साथ ही भारतीय नौसेना के जहाजों को भी घटनास्थल की ओर रवाना किया गया ताकि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सहायता दी जा सके।

बचाव अभियान में एमवी जबल अली-9 नामक व्यापारी जहाज ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेंट किट्स एंड नेविस के ध्वज वाला यह जहाज सोहार से मुंबई की ओर जा रहा था और घटना स्थल के अपेक्षाकृत करीब मौजूद था। अमेरिकी पी-8 विमान ने इस जहाज से संकटग्रस्त नौका की ओर बढ़ने और सहायता देने का अनुरोध किया। जहाज ने तुरंत दिशा बदली और बचाव अभियान में शामिल हो गया। सूत्रों के मुताबिक इसी जहाज से पुष्टि हुई कि सभी 14 भारतीय जीवनरक्षक नौका में सुरक्षित पहुंच चुके हैं। इससे राहत एजेंसियों को स्थिति का स्पष्ट आकलन करने में मदद मिली।

यह घटना ऐसे समय हुई है जब ओमान और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास का समुद्री क्षेत्र सुरक्षा और रणनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील बना हुआ है। हाल के महीनों में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के कारण इस क्षेत्र में जहाजरानी और समुद्री गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य से बड़ी मात्रा में तेल और व्यापारिक सामान की आवाजाही होती है। ऐसे माहौल में समुद्र में किसी भी आपात स्थिति को गंभीरता से लिया जा रहा है। हालांकि इस मामले में सभी भारतीयों को सुरक्षित निकाल लिया गया, जिससे एक संभावित बड़ी समुद्री त्रासदी टल गई। फिलहाल भारतीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

देहरादून में बीजेपी नेता की हत्या के बाद गरमाया माहौल, गुस्साई भीड़ ने फूंके घर और गाड़ियां, आरोपी का घर जमींदोज

» बीपीएस न्यूज

उत्तराखंड । देहरादून जिले के सहसपुर पुलिस स्टेशन इलाके के बैरागीवाला गांव में शनिवार देर शाम पानी को लेकर हुए झगड़े ने खूनी मोड़ ले लिया। सिंचाई के पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते सांप्रदायिक हिंसा में बदल गई। इस हिंसक झड़प में भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक स्थानीय नेता की मौत हो गई। इस घटना के बाद से ही पूरे इलाके में भारी तनाव बना हुआ है।बीजेपी नेता की हत्या की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने आरोपियों के घरों को निशाना बनाया और जमकर पथराव किया। इसके बाद भीड़ ने एक आरोपी के घर और वहां खड़े कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। मौके पर भारी संख्या में लोग जमा हो गए और कुछ अन्य जगहों पर भी तोड़फोड़ और आगजनी की खबरें सामने आईं, जिससे माहौल और ज्यादा बिगड़ गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और हालात को काबू में करने की कोशिश शुरू की। हत्या की इस खौफनाक वारदात के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में आरोपी के घर को ढहाने की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस ने इस पूरी हिंसा और हत्या के मामले में तत्परता दिखाते हुए तीन नामजद आरोपियों और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव में दोबारा कोई अप्रिय घटना न हो और स्थिति नियंत्रण में रहे, इसके लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

टीएमसी में बगावत के बीच ममता बनर्जी का बड़ा फैसला सायोनी घोष और माला रॉय को अहम पदों से हटाया

कुछ दिन पहले ही किया था पुनर्गठन

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में करारी हार और पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी ने युवा और महिला इकाइयों के नेतृत्व में बदलाव करते हुए सांसद सायोनी घोष और माला रॉय को उनके पदों से हटा दिया है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, जादवपुर से सांसद सायोनी घोष को टीएमसी की युवा इकाई के अध्यक्ष पद से हटाकर युवा नेता अर्नब बनर्जी को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, कोलकाता दक्षिण की सांसद माला रॉय की जगह नदिया जिले के कालिगंज से विधायक अलीफा अहमद को तृणमूल महिला कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है। राजनीतिक हलकों में इस बदलाव को पार्टी के भीतर चल रही बगावत से जोड़कर देखा जा रहा है। सायोनी घोष और माला रॉय उन सांसदों में शामिल मानी जा रही हैं, जिन्होंने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ असंतोष जताने वाले समूह का समर्थन किया है।

बताया जा रहा है कि टीएमसी के असंतुष्ट सांसद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर खुद को ÷वास्तविक टीएमसी÷ के रूप में मान्यता देने की मांग करने वाले हैं।

बागी खेमे का दावा है कि पार्टी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद उनके समर्थन में हैं।

असंतुष्ट सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि यदि उनके समूह को मान्यता मिलती है तो वह संसद में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देगा। इस बयान ने टीएमसी की आंतरिक राजनीति में हलचल और बढ़ा दी है।

गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने 5 जून को पार्टी की सभी पुरानी समितियों और प्रकोष्ठों को भंग कर संगठन का व्यापक पुनर्गठन किया था। उस समय उन्होंने सायोनी घोष और माला रॉय को क्रमशः युवा और महिला विंग की जिम्मेदारी सौंपी थी।सुदीप बंद्योपाध्याय भी बागी खेमे में?

सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय के भी बागी गुट के संपर्क में होने की खबर है। इसी बीच, पार्टी ने कोलकाता के बेलेघाटा से सांसद कुनाल घोष को उत्तर कोलकाता संगठनात्मक जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह पद पहले सुदीप बंद्योपाध्याय के पास था।

सौगत रॉय को मिली नई जिम्मेदारी

टीएमसी नेतृत्व ने वरिष्ठ सांसद सौगत रॉय को लोकसभा में पार्टी के वफादार सांसदों के समूह का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया है। वर्तमान में लोकसभा में टीएमसी के केवल आठ सांसदों को ममता बनर्जी के प्रति पूरी तरह वफादार माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संगठन में यह फेरबदल ममता बनर्जी की पार्टी पर पकड़ मजबूत करने और बगावत को नियंत्रित करने की रणनीति का हिस्सा है। आने वाले दिनों में टीएमसी की आंतरिक राजनीति और अधिक दिलचस्प होने की संभावना है।

3000 रुपये का एक आम! विदेशों में भी है 'नूरजहां' की जबरदस्त मांग

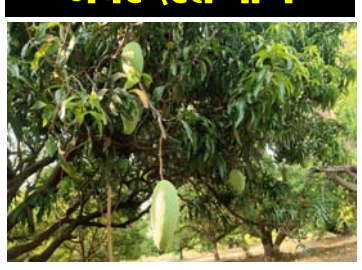

चंडीगढ़। भारत को आमों का देश कहा जाता है और मध्यप्रदेश इस पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले प्रमुख राज्यों में शामिल है। प्रदेश की जलवायु, उपजाऊ मिट्टी और विविध भौगोलिक परिस्थितियां आम उत्पादन के लिए बेहद अनुकूल मानी जाती हैं।दशहरी, लंगड़ा, चौसा, केसर, आम्रपाली, अल्फांसो और तोतापरी जैसी लोकप्रिय किस्मों के बीच एक ऐसी अनोखी प्रजाति भी है, जिसने देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। यह है नूरजहां आम, जिसे किंग ऑफ मैंगो÷ के नाम से भी जाना जाता है।

दुनिया के सबसे बड़े आमों में शुमार

मध्यप्रदेश के जनजातीय बहुल आलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा क्षेत्र में पैदा होने वाला नूरजहां आम अपने विशाल आकार, अद्वितीय स्वाद और आकर्षक स्वरूप के लिए प्रसिद्ध है। इसे दुनिया के सबसे बड़े आमों में गिना जाता है। सामान्य रूप से एक नूरजहां आम का वजन 2 से 5 किलोग्राम तक होता है। इसका आकार इतना बड़ा होता है कि एक ही फल पूरे परिवार के लिए पर्याप्त माना जाता है।

इसका आकर्षक रंग, सुगंध और मिठास लोगों को पहली नजर में ही आकर्षित कर लेते हैं। बाजार में इसकी कीमत 1500 रुपये से लेकर 3000 रुपये प्रति फल तक पहुंच जाती है, जबकि कुछ विशेष परिस्थितियों में यह इससे भी अधिक कीमत पर बिकता है।नूरजहां आम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सीमित उपलब्धता है। इसके पेड़ों पर सामान्य आमों की तुलना में कम फल लगते हैं, जिसके कारण इसकी कीमत कई गुना अधिक रहती है। कई बार एक-एक फल हजारों रुपये में बिकता है। यही वजह है कि यह आम किसानों के लिए लाभकारी फसल के रूप में उभर रहा है।विशेषज्ञों के अनुसार कट्ठीवाड़ा का मौसम, मिट्टी और तापमान इस किस्म के लिए बेहद अनुकूल हैं, जिससे यहां पैदा होने वाले नूरजहां आम की गुणवत्ता देश में सबसे बेहतर मानी जाती है।

अफगानिस्तान से मध्यप्रदेश तक का सफर

नूरजहां आम का इतिहास भी बेहद दिलचस्प है। माना जाता है कि यह प्रजाति वर्षों पहले अफगान क्षेत्र से भारत पहुंची थी। बाद में 1950 और 1960 के दशक में यह मध्यप्रदेश के मालवा और आदिवासी अंचल झाबुआ-आलीराजपुर क्षेत्र में विकसित हुई।

आलीराजपुर जिले के ग्राम जूना कट्ठीवाड़ा स्थित शिव (बावड़ी) आम फार्म के कृषक भरतराज सिंह जादव के अनुसार, उनके पिता स्वर्गीय रणवीरसिंह जादव करीब 55 से 60 वर्ष पहले गुजरात के बनमाह क्षेत्र से नूरजहां का पौधा लेकर आए थे।

अपनी बात....

संपादकीय .....

अक्षम्य है भारतीय नाविकों का मारा जाना

खाड़ी में ईरान की नाकेबंदी की कवायद के दौरान अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों का मारा जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिसको लेकर देश में गम व गुस्सा व्याप्त है। यूं तो कहा जाता रहा है कि भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और क्वॉड जैसे संगठनों में भूमिका निभा रहा है, तो फिर लगातार भारत के हितों पर कुठाराघात क्यों किया जा रहा है? भले ही अमेरिका ईरान की तेल निर्यात से होने वाली आय रोकने व युद्ध समाप्त करने हेतु समझौते के लिये दबाव बनाने हेतु ये आक्रामक नीति अपना रहा हो। लेकिन जिन देशों का युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है, उनके नागरिकों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? हाल में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को अमेरिकी सेना द्वारा निशाना बनाया गया है। इसमें से, ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय चालक दल के तीन सदस्य मारे गये हैं। जिससे भारत व अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। वैसे औपचारिक विरोध दर्ज करते हुए भारत ने दिल्ली में एक अमेरिकी राजनयिक को तलब भी किया है। इसके बावजूद भारत के खिलाफ लगातार नकारात्मक रवैया दर्शाने वाले अमेरिका के खिलाफ सख्त स्टैंड लेने की मांग की जा रही है। इसके बावजूद कि भारत क्वॉड में अमेरिका का साझेदार है। विडंबना यह भी है कि जो सूत्रधार संगठन के जरिये समुद्री आवाजाही को स्वतंत्र बनाने की बात करता है, वही अमेरिका इसमें बाधक बना है। भले ही अमेरिका इन जहाजों के प्रतिबंधित होने की बात कहे, या जहाज भारतीय न हों, लेकिन उनमें चालक दल के सदस्य तो भारतीय थे। इसकी जानकारी स्वाभाविक रूप से अमेरिका के खुफिया तंत्र को जरूर रही होगी। अमेरिका को सार्वजनिक रूप से भारतीय नाविकों के मारे जाने पर खेद जताना चाहिए। निश्चय ही भारत के निकट के समुद्री क्षेत्र में अमेरिका का निरंकुश व्यवहार निंदनीय है। कूटनीतिज्ञ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भारत को इस मुद्दे को सख्ती से अमेरिका के सामने उठाना चाहिए था।

तमाम भारतीयों को इस मामले में विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया उदार लगती है। सवाल पूछा जा रहा है कि यदि तीन अमेरिकी नागरिक मारे जाते तो क्या अमेरिका चुप बैठता? कहा जा रहा है कि भारत का कड़ा विरोध सामने न आने के कारण होर्मुज स्ट्रेट के पास पलाऊ के झंडे वाले टैंकर पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय के मारे जाने की घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कम चर्चा हुई है। विडंबना है कि अमेरिकी सेना ने एक सप्ताह में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को निशाना बनाया। हालांकि, सोमवार को हुए हवाई हमले के बाद ओमानी अधिकारियों ने 24 भारतीयों को सुरक्षित निकाल लिया था। दरअसल, ट्रंप प्रशासन की निरंकुशता के चलते ही अमेरिका रवैया वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। आखिर अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्र में कारोबारी जहाजों को निशाना बनाने का क्या औचित्य है? अमेरिका को यह अधिकार किसने दे दिया कि वह तटस्थ देशों के नागरिकों को निशाना बनाये? क्यों भारतीय नागरिक अमेरिका व ईरान के बीच जारी संघर्ष की कीमत चुकाएं? इस तरह का शक्ति प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सीधा उल्लंघन है तथा स्वतंत्र नौवहन के मार्ग में बाधक है। भारतीयों का गुस्सा तब कम हो जाता यदि अमेरिका मरने वाले नाविकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर देता। सही मायने में अमेरिका भारत को अपने कारोबारी हितों के साधन के रूप में तो इस्तेमाल करना चाहता है, लेकिन भारतीय आत्मसम्मान व संप्रभुता का मान नहीं रखता। भारत को बदलती अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप ही अपनी कूटनीति का निर्धारण करना चाहिए। हमें दुनिया को बताना चाहिए कि भारत एक उभरता बाजार ही नहीं है, बल्कि सबसे बड़ी आबादी वाला दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी है। दुनिया को संदेश जाना चाहिए कि हम अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमाओं में अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम हैं। अब चाहे सामने अमेरिका हो या चीन जैसे कोई अन्य देश। भले ही अंतर्राष्ट्रीय सीमा में कई जहाज भारत के स्वामित्व वाले न हों, लेकिन चालक दलों में शामिल भारतीय नागरिकों की सुरक्षा हर कीमत पर की जानी चाहिए।

कॉकरोच पार्टी के मुद्दे और पंजाब में उनकी प्रासगिकता

विपिन सचदेवा

दिल्ली में कॉकरोच पार्टी के धरने ने युवाओं से जुड़े मुद्दों पर ध्यान खींचा जिन पर पंजाब में भी गौर करने की जरूरत है। इनमें बेरोज़गारी, शिक्षा, धीमा विकास और विदेश में सिकुड़ते अवसर प्रमुख हैं। जबकि न विपक्षी दलों और न सत्ताधारी 'आप' की चुनावी योजनाओं में इन मुद्दों के भरोसेमंद हल शामिल हैं।भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई एक टिप्पणी, शायद गैर-इरादतन, के परिणामस्वरूप 'कॉकरोच जनता पार्टी' का अप्रत्याशित उद्भव हुआ है, पहले डिजिटल स्वरूप में और अब साक्षात रूप में भी। इसने युवाओं को अपनी ओर खींचा है, खासकर उन्हें जो शिक्षा में हुई धांधलियों से नाराज हैं या जो बेरोजगार हैं या जो कम तन्खवाह की नौकरियों में जीवन निर्वाह के लिए जूझ रहे हैं।पंजाब को ज्यादा चिंता करनी चाहिए क्योंकि अक्तूबर-दिसंबर 2025 के अवधिक श्रम सर्वे के मुताबिक, सूबे की युवा बेरोज़गारी दर 19 फीसदी के साथ काफ़ी अधिक है। चिंतनीय, कि यह अखिल भारतीय औसत (14.8 प्रतिशत) से ज्यादा है। इसकी तुलना में, हरियाणा में बेरोज़गारी दर घटकर 12.4 फीसद रह गई। ऐसा क्यों है, यह सवाल पंजाबी पूछ सकते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान, जिन्हें मीडिया की सुर्खियों में रहना पसंद है और जो अकसर अकाली और कांग्रेस विरोधियों का मज़ाक उड़ाते हैं, शायद इसका जवाब न दे पाएं। वे करीब 66,000 नौकरियां देने की शेखी बघारते हैं, लेकिन उस दौरान सेवानिवृत्त हुए लोगों की वजह से पैदा रिक्तियों की बात नहीं करते।

नौकरियां तब पैदा होती हैं, जब विकास हो। पंजाब की 6.1 विकास दर राष्ट्रीय औसत 7.4 फीसदी से नीचे है। जबकि रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते भारत की सकल घरेलू उत्पाद दर को घटाकर 6.6 फीसदी किया है। खाद की कमी और महंगे हुए वाहन ईंधन की वजह से खेती और उद्योगों पर पड़ने वाले प्रभाव से पंजाब को बड़ा नुकसान हो सकता है। महंगाई दर बढ़ने से सामाजिक चिंताएं बढ़ेंगी।युवाओं के लिए स्थिति कुल मिलाकर बदतर होती जा रही है। डॉलर के मुकाबले गिरता रुपया जहां विदेश यात्रा और पढ़ाई को मध्य वर्ग की पहुंच से बाहर कर रहा वहीं विदेश जाकर बसने के लिए कनाडा व अमेरिका जैसे उनके पसंदीदा देश आप्रवासियों के लिए द्वार बंद कर रहे हैं। ब्रेन ड्रेन के नुकसान को एक तरफ रखें तो अगर इन देशों ने महत्वाकांक्षी युवा पंजाबियों को पलायन के बेहतर रास्ते मुहैया न कराए होते तो पंजाब में गंभीर सामाजिक उथल-पुथल देखने को मिल सकती थी।

बिगड़ते आर्थिक माहौल और सिकुड़ती विदेशी राहों के असर का अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं। लेकिन क्या पंजाब इस उभरती कड़वी सच्चाई का सामना करने को तैयार है? अपने भविष्य को लेकर उम्मीदें खोकर, युवा नशीले पदार्थों की ओर रुख करते हैं या कभी-कभार बंदूक उठा लेते हैं। नशा और गैंगस्टर रूपी समस्याएं समाज-व्यवस्था में व्याप्त सड़न की ओर इशारा करती हैं। सरकारी एजेंसियां सिर्फ लक्षणों से जूझ रही हैं। वही नेता, जिनके पास पुराने समाधान हैं, समस्याओं का निदान नहीं कर सकते।

बीते शनिवार दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉक्रोच जनता पार्टी'के धरने ने राजनीतिक वर्ग के प्रति युवाओं का अविश्वास दर्शाया। ऐसे लोकतांत्रिक आंदोलन कभी-कभी नूतन विचार युक्त नए नेता उभारते हैं। 'कॉक्रोच जनता पार्टी' की लोकप्रियता सियासी दलों को पुराने नेताओं की जगह नए होनहार चेहरे लाने को मजबूर कर सकती है। युवाओं के मुद्दे अभी न तो पंजाब में विपक्षी दलों की चुनाव नीति में शामिल हैं और न ही सत्ताधारी 'आप' की। अधिकांशतः काम चलाऊ फौरी समाधानों के भरोसे रहकर भगवंत मान बड़ी गलती कर रहे हैं। मुफ्त की रेवड़ियां लुटाकर, वे भविष्य की जलधारा में छिपे हिम-शैलों को नज़रअंदाज़ कर, नाजुक किश्ती पर सवार हैं। वोटरों पर लुटाया जाने वाला पैसा,ठप पड़े उद्योगों, ठहरी हुई खेती और खराब सेवाओं में फिर से जान फूंकने में खर्च किया जाना चाहिए।अगर सीमित साधनों का इस्तेमाल समझदारी से विकास करने पर किया जाए, तो राजनीतिक फ़ायदा होने में समय अवश्य लग सकता है लेकिन मिलता जरूर है। केवल अर्थपूर्ण एवं गुणवत्ता वाली कारगुजारी ही समृद्धि व कर-वसूली बढ़ा सकती है, जिससे राज्य को ज़रूरतमंदों की मदद करने में सहायता मिल सकती है। कर्ज लेकर भलाई कार्य करना सामान्य समझ से परे है। सबको मुफ्त में रेवड़ी बांटना अकर्मयण्ता को बढ़ावा देता है। खाते-पीते पंजाबी भी राज्य पर निर्भर होकर आत्म-सम्मान खो रहे । कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी ने इस बिंदु को ज़ोर देकर उठाया है।

लगता है, सियासी दल अतीत से कुछ नहीं सीख रहे। उदार सब्सिडी और करदाताओं के पैसे का भारी मात्रा में इस्तेमाल खुद के प्रचार, वीआईपी सुरक्षा और हेलीकॉप्टर पर करने के बावजूद, पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और कैप्टन अमरिंदर सिंह,दोनों ही, चुनाव हार गए थे।हालिया निकाय चुनाव सबूत हैं कि 2027 के विधानसभा संग्राम में असल मुकाबला आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच होगा। यदि भाजपा पंजाब के लिए कोई भरोसेमंद आर्थिक मॉडल प्रस्तुत कर पाए, तभी सत्ता की गंभीर दावेदार बन सकती है। पंजाब में नए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, उद्योग और उसकी समस्याएं- जिस विषय की समझ उन्हें ज्यादा हो सकती है- पर बोलने के बजाय, जब राजनीतिक बयानबाज़ी और महाराजा रणजीत सिंह के खालसा राज की बातें करते हैं, तो यह उनका जमीनी हकीकत से कटे होना दर्शाता है।

अंदरूनी कलह से पीड़ित कांग्रेस को ठोस दलील पेश करनी होगी कि उसे सत्ता क्यों सौंपी जाए, जबकि उसका हर वरिष्ठ नेता सर्वोच्च पद के लिए 'पहले मैं' का खेल खेल रहा है। राहुल गांधी, बेशक, 'कॉकरोचों'के मुद्दे उठा रहे हैं, लेकिन क्या उनके दल के पास युवाओं के लिए कोई स्पष्ट योजना है? एआई से नौकरियों को खतरा बन गया है। क्या उनकी पार्टी ने इस मुद्दे पर गंभीर विचार किया? कौन सा नेता ज्यादा वोट दिला सकता है इस हेतु पता लगाने को सर्वे करना काफी नहीं। पंजाब में पार्टी की डाल और जड़ स्तर पर कारगुजारी का पुनरावलोकन करने की ज़रूरत है। आजमाए-असफल नेताओं की जगह उन लोगों को लाए, जिनके पास नज़रिया हो, ऊर्जा से लबरेज़ हों और पंजाब के पुन- विकास में मददगार हो सकें।सत्ताधारी दल होने के नाते, आम आदमी पार्टी उच्च पायदान पर है। लेकिन कुछ चमक खो चुकी है। 'आप' सरकार इस कदर प्रचार-चालित है कि उसकी हर उपलब्धि पर संशय करना पड़ रहा है। उसके बहु प्रचारित नशा-निरोधक अभियान की सफलता जमीन पर महसूस नहीं हो रही।जहां यह श्रेय वाकई भगवंत मान सरकार को जाता है कि स्टेडियम बनवाए और खेलों को बढ़ावा दे रही वहीं सबसे बड़ी उपलब्धि शिक्षा क्षेत्र में पाई है। नीति आयोग ने अपनी नवीनतम स्कूली शिक्षा व्यवस्था रिपोर्ट में पंजाब को प्रथम स्थान दिया। यह वर्ष 2020 के 27वें स्थान से एक बड़ी छलांग है । इस सफलता का श्रेय प्रचारबाज़ी शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस के अलावा 'आप' के केंद्रीय नेता मनीष सिसोदिया को भी जाता है।

हालांकि, कॉलेज-यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में चुनौतियां बरकरार हैं। विगत की सरकारों ने निजी शिक्षा संस्थानों की तरक्की की एवज़ में सरकारी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों को फंड से वंचित रखा। नतीजन, खर्च में भारी बढ़ोतरी ने उच्च शिक्षा को निम्न-मध्य वर्ग के छात्रों की पहुंच से दूर कर दिया। स्वास्थ्य क्षेत्र हो, शिक्षा या फिर रोजगार, नुकसान में ज्यादातर ग्रामीण युवा रहता है। जीवनयापन की बढ़ती लागत के चलते युवा और किसान का कभी-कभी रोष उजागर होता है।

भगदड़ ममता बनर्जी की टीएमसी में हार के बाद मची हुई है

सनातन के श्राप से टूटे कई दल, अब पछता रही टीएमसी..!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

अनेको-अनेक चुनावों के जरिये भाजपा ने देश के राज्यों में अपना दबदबा बनाया। विपक्ष जब हारता है तो भाजपा पर ठीकरा फोड़ता है और जीतता है तो अपने को इश्लाम का हितैषी साबित करने में लग जाता है उससे यह चूक हुई है कि वह लोकतांत्रिक ढांचे में सवर्ण हिन्दुओं के महत्व को नहीं समझ पाई है। भाजपा इसी सवर्ण हिंदुत्व के दम पर आज दहाड़ रही। विश्व में सबसे बड़े सबसे मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के रुप में भारतीय गणतंत्र को स्थापित किया गया और आज भाजपा उसी लोकतंत्र की सबसे मजबूत धुरी है।

पिछले कुछ वर्षों में देश में चुनावी प्रक्रिया में भारतीय वोटरों ने गठबंधन की राजनीति से अलग होकर पुर्ण बहुमत की सरकार बनाने की जो मुहिम शुरु की है वह स्वागत योग्य है । हालांकि 1984 तक देश में लगभग हर चुनाव का परिणाम पूर्ण बहुमत के रुप में आता था। वर्ष 2026 में भी हुए पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए असम, पाण्डिचेरी तथा पश्चिम बंगाल में भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय गठबंधन की सरकार बनी वहीं केरलम् में कांग्रेस गठबंधन तथा तमिलनाडु में नयी नवेले दल टीवीके ने लगभग पुर्ण बहुमत की सरकार बनी। देश में विधायकों के पाला बदलने का खेल नया नहीं है पर महाराष्ट्र में हिंदुत्व से बगावत करने वाली शिवसेना का जो हाल हुआ वही हाल बंगाल में हिंदुत्व से बगावत करने वाली टीएमसी का हुआ है।

अब बड़ा सवाल ये है कि टीएमसी है किसकी..! काकोली घोष और ऋ्रबर्थ बनर्जी वाली टीएमसी अगर मूल पार्टी मानी जाएगी तो अभिषेक बनर्जी का क्या होगा ? अगर कानूनी रूप से ऐसा हुआ, तो ममता बनर्जी के पास केवल नाममात्र के 20 विधायक और दोनों सदनों को मिलाकर महज 18 सांसद ही रह जाएंगे जो आगे उनके राजनीतिक महत्वकांक्षा का अंत कर देंगे। यह बगावत तब हुई जब ममता बनर्जी दिल्ली में गठबंधन की राजनीति सेट कर रही थीं, लेकिन पीछे से उनका खुद का घर बिखर गया। कभी बंगाल में अराजकता के सिंहासन पर बैठ एक छत्र राज करने वाली टीएमसी नेता और उनके समर्थक नेताओं का आज जमीन पर निकलना भारी हो रहा है। जनता के गुस्से का आलम यह है कि कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन, अंडे फेंकने और ÷चोर-चोर÷ के नारे लगने की खबरें आ रही हैं।यह हिदुत्व की वही गूज है जिसे मिटाने का दिवास्वप्न देख रही थी ममता। जो बीजेपी को बंगाल से उखाड़ने का दम भरते थे, आज खुद अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए संघर्ष कर रहे मंदिर ङ्क मंदिर घूम रहे। राजनीति का असली 'खेला' तो अब शुरू हुआ है आगे-आगे देखिए होता है क्या.? बंगाल में 'खेला' हो गया दीदी का किला ढहा, टीएमसी में ऐतिहासिक बगावत ने अखिलेश और डीके शिवकुमार को चिंता में डाल गया है। कहते हैं राजनीति में वक्त बदलते देर नहीं लगती जो ममता बनर्जी कल तक 'इंडी गठबंधन' को भाव नहीं देती थीं, बैठकों से दूरी बनाकर रखती थीं और खुद को बंगाल का अजेय क्षत्रप मानती थीं आज समय का चक्र ऐसा घूमा कि वह दिल्ली की बैठक में सबसे पहले पहुंचकर बैठी नजर आईं चेहरे की उदासी बता रही है कि भीतर लगी आग कितनी भयानक है !पश्चिम बंगाल से जो खबरें आ रही हैं, वो तृणमूल कांग्रेस के वजूद पर ही बड़ा सवालिया निशान लगा रही हैं विधानसभा से लेकर लोकसभा तक महा-बगावत विधानसभा में 60 विधायकों के साथ ऋ्रबर्थ बनर्जी को विपक्ष का नेता चुन लिया गया है यह ममता दीदी के लिए अब तक का सबसे बड़ा झटका हैज! दूसरी तरफ, 20 सांसदों के साथ काकोली घोष लगातार सक्रिय हैं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिलकर अलग गुट बनाने और सदन में अलग बैठने की जगह देने की मांग की गई है जल्द ही इस पर अंतिम मुहर लगने की संभावना है। चुनाव तो हर जगह हुए लेकिन जैसी भगदड़ ममता बनर्जी की टीएमसी में हार के बाद मची हुई है ऐसी भगदड़,ऐसी दुर्दशा आज तक किसी भी हारे हुए राजनीतिक दल की नहीं हुयी थी।इसके पीछे विपक्षी दलों का भारतीय जनता पार्टी को दोष देने के अलावा कोई अन्य रास्ता सुझ नहीं रहा है।हालांकि इसके पीछे ममता जी की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति तथा पश्चिम बंगाल के जनसंख्या के समीकरण को अस्त-व्यस्त करने के लिए बांग्लादेशी एवं रोहिग्या मुसलमानों को प्रश्रय देना सबसे बड़ा कारक है। टीएमसी के सभी हिंदू नेता सांसद विधायक कहीं ना कहीं इस नीति से लगभग आजिज आ चुके थे। रात को जब भी परिवार एवं बच्चों के साथ बैठते रहे होंगे तब परिवार के लोगों के ताने दुत्कार से दो चार होना पड़ता था लेकिन बस में कुछ भी नहीं था तो परिजनों को समय का इंतजार करने के अलावा क्या ही दिलासा देते रहे होंगे ? क्योंकि बगावत करने से पद से हाथ धोने टिकट कटने का खतरा रहता है।जैसे ही 2026 की चुनावी हार पश्चिम बंगाल में हुयी टीएमसी का बुलबुला फुट रहा है। विधायक सांसद ऐसे भाग रहे है जैसे लंगूर के आने से बंदरों में भागम भाग मच जाती है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

इतिहास गवाहः दीवारों पर दर्ज भारत का स्वर्णिम संघर्ष

इतिहास केवल पुस्तकों में ही नहीं, दीवारों पर भी जीवंत हो सकता है। ग्वालियर के आईटीएम ग्लोबल स्कूल में स्थापित 80 फीट लंबे भव्य म्यूरल ने 1857 से 1961 तक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रनिर्माण की गाथा को अद्भुत. इतिहास केवल पुस्तकों में ही नहीं, दीवारों पर भी जीवंत हो सकता है। ग्वालियर के आईटीएम ग्लोबल स्कूल में स्थापित 80 फीट लंबे भव्य म्यूरल ने 1857 से 1961 तक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रनिर्माण की गाथा को अद्भुत कलात्मक रूप दिया है।

इतिहास केवल कलम से कागजों पर ही नहीं लिखा जा सकता। इतिहास कला के माध्यम से दीवारों पर भी चित्रित किया जा सकता है। चित्रित इतिहास अपने दृश्यात्मकता सौन्दर्य बोध के साथ-साथ देखने वालों के लिए रोचकता के साथ दायित्व बोध भी पैदा करता है लेकिन दीवारों पर इतिहास को चित्रित करना आसान काम नहीं है। इस मुश्किल काम को अंजाम देने का एक स्वप्न आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलाधिपति ने देखा

और ख्यात पेंटर विनय अंबर ने रात-दिन मेहनत कर इस स्वप्न को ग्वालियर के आईटीएम ग्लोबल स्कूल के कॉरिडोर में साकार कर दिखाया है।

ग्वालियर के इस स्कूल के कॉरिडोर में 80 फीट लम्बे और 8 फीट ऊंचे म्यूरल के रूप में स्थापित इस इतिहास चित्रण की विषय-वस्तु 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की महागाथा 1857 से 1961' रखी गयी है। यह देश का ऐसा पहला म्यूरल है, जिसमें वर्ष 1857 से लेकर वर्ष 1961 तक के कालखंड को म्यूरल के रूप में चित्रित किया गया है।एक पैनल पर बंटवारे का दृश्य है, उसी पैनल पर नेहरू राष्ट्रीय ध्वज को सलाम दे रहे हैं। उनकी पीठ बंटवारे की तरफ है सामने सूरज है, किसान है जो हल लिए हुए है। शहनाई बजाते बिसमिल्ला खां के साथ इंसानी शक्ल में एक पक्षी है। ये सब अलग-अलग भाव और मुद्रा में हैं। गांधी की हत्या को चित्रकार ने निराले ढंग से प्रस्तुत किया है। म्यूरल में नेहरू और सुभाष चन्द्र बोस गंभीर संवाद की मुद्रा में हैं तो दूसरी तरफ आजाद हिंद फौज के साथ सुभाष बाबू को दिखाया गया है। इस 80 फीट लम्बे म्यूरल में संविधान की मूल प्रस्तावना जो 1949 की है, लिखी गई है साथ संविधान सभा के कुछ खास सदस्यों को भी चित्रित किया गया। इसमें महिला हिस्सेदारी का भी ध्यान रखा गया है।

10वें और अन्तिम पैनल में 1947 के उपरान्त आजादी के बाद की दो प्रमुख घटनाएं केन्द्र में है। पहली घटना जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रान्ति एवं दूसरी गोवा मुक्ति संग्राम के उपरान्त गोवा की आजादी एवं उस संग्राम के मुख्य किरदार राममनोहर लोहिया के साथ में टी व्ही कुन्हा एवं विश्वनाथ लांबडे को चित्रित किया गया।

तीन साल के लम्बे समय में चित्रकार विनय अंबर ने अपने सहयोगी मूर्तिकार योगेश प्रजापति, विष्णु और आंचल और 16 अन्?य सहायकों की रात-दिन के परिश्रम से तैयार किया है। इन तीन वर्षों के समय में रिसर्च, स्केच ड्राइंग और मूर्त रूप देना शामिल है। म्यूरल एक गहरे रंग के ऊपर तांबई (कॉपर) एवं सुनहरे (गोल्डन) रंग की आभा लिए लगभग 4 इंच से 6 इंच उभार लिए हुए है। पूरा म्यूरल खास किस्म के टेक्सचर को ओढ़े हुए हैं।

विनय अंबर बताते हैं कि अपने सहयोगियों के साथ महीनों तक विषय की रिसर्च की, कागज पर छोटे-छोटे स्केच बनाये, ड्राइंग तैयार की। इतिहास का गहन अध्ययन कर बिना किसी दबाब के रिसर्च के आधार पर ही इस म्यूरल में सावरकर को भी जगह दी गयी है। सावरकर के हाथ में उनकी लिखी किताब '1857 स्वातंत्र्य समर' को उनके हाथ में पकड़ाकर उनकी महत्ता की सीमा को रेखांकित किया है।

कानपुर डीएम के निर्देश के बाद बौढ़नपुर में शुरू हुई जलापूर्ति

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड चौबेपुर के ग्राम बौढ़नपुर-चौधरीपुर में निर्मित पेयजल परियोजना से जलापूर्ति प्रारंभ कर दी गई है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पाया था कि योजना का निर्माण कार्य पूर्ण होने तथा ट्रायल संपन्न होने के बावजूद नियमित जलापूर्ति प्रारंभ नहीं की गई है।जिलाधिकारी द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को फटकार लगाते हुवे आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे, जिसके अनुपालन में वीटीएल द्वारा उसी रात गांव में पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी गई। उन्होंने कार्यदायी संस्था विंध्य टेलीलिंक्स लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर मनोज कुमार द्विवेदी से दूरभाष पर वार्ता कर जलापूर्ति तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश दिए थे। लगभग 3.45 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस परियोजना से तीन ग्रामों के 663 परिवारों तथा लगभग 3,466 की आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा।जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन से जुड़ी सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया है कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है, वहां बिना अनावश्यक विलंब के नियमित जलापूर्ति प्रारंभ कराई जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब उनका लाभ समयबद्ध रूप से आमजन तक पहुंचे ।

स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस में सवार थे संघ प्रमुख मोहन भागवत फिरोजाबाद के पास ट्रेन पर पथराव से मच गया हड़कंप

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश में ट्रेनों पर पथराव की बढ़ती घटनाओं के बीच गुरुवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कानपुर से दिल्ली जा रही स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस पथराव का शिकार हो गई। ट्रेन में राष्ट्रीय स्वयं सेवक (ऋस्स्) प्रमुख मोहन भागवत यात्रा कर रहे थे। जैसे ही खबर आम हुई। रेलवे के अधिकारियों से लेकर सुरक्षा बलों की नींद उड़ गई। आनन-फानन में टुंडला आउटर से पहले ट्रेन रोककर जांच की गई। इसके बाद एक्सप्रेस को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। अब रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस आरोपी की तलाश में जुटे हैं।

घटनाक्रम फिरोजाबाद और मक्खीपुर के आसपास का है। गुरुवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस के ई-1 कोच में सवार थे। ट्रेन कानपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई। फिरोजाबाद में ट्रेन पर अचानक से किसी ने पथराव कर दिया। रेल अधिकारियों को जब ये सूचना मिली तो उनके होश उड़ गए। क्योंकि ट्रेन में संघ प्रमुख भी यात्रा कर रहे थे।

बहरहाल, फौरन अगले जंक्शन टुंडला के आउटर से पहले ट्रेन रोककर सघन जांच की गई। रेलवे सुरक्षा टीम जब संतुष्ट हो गई कि कोई यात्री चोटिल नहीं हुआ है। इसके बाद ही ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया।

पिछले सप्ताह ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्रेनों की सुरक्षा को लेकर रेलवे सुरक्षा बलों के साथ एक बैठक की थी। इसमें ट्रेनों पर पथराव पर चिंता जताते हुए असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए थे। सीएम की कड़ी चेतावनी के चंद दिनों के बाद ही फिरोजाबाद में ये एक और घटना सामने आ गई। इसने रेलवे अधिकारियों से लेकर स्थानीय पुलिस-प्रशासन में हलचल मचा दी है।

स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव करने वाले अज्ञात आरोपी की तलाश जारी है। स्थानीय पुलिस के साथ रेलवे सुरक्षा बल भी पहचान में जुटे हैं। सुरक्षा एजेंसियां भी चौकन्नी हैं। इस आशंका के साथ कि क्या इस घटना को साजिशन अंजाम तो नहीं दिया गया है?

फिरोजाबाद के एसएसपी आदित्य लांग्हे के मुताबिक, कानपुर से दिल्ली जा रही स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस पर फिरोजाबाद के पास किसी ने पत्थर फेंका था। इसमें कोच का एक शीषा टूट गया। इस प्रकरण में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना की जांच और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सात टीमें बनाई गई हैं। जल्द ही इसका खुलासा किया जाएगा।

जुलाई के पहले सप्ताह में खातों में आ जायेगी विधवा पेंशन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अब जुलाई के पहले सप्ताह या फिर जून के अखिरी सप्ताह में विधवाओं के लिए विधवा पेंशन योजना की धनराशि उनके खातों में भेज दी जायेगी। दिसम्बर माह से कई विधवाओं के खातों में यह राशि नही पहुंची थी।यात्रा की गाइड और यात्रा की जानकारी

बता दे कि दिसम्बन्ध 2025 के बाद से 1280 विधवा महिलाओं की पेंशन की राशि उनके खातों में नही पहुंची थी, जिसमें लिए ऐसी महिलाएं विभाग के चक्कर लगा-लगाकर परेशान हो चुकी थी। मामला यह था कि पेंशन खातों का सत्यापन कराय गया था, जिसमें पाया गया था कि इन महिलाओं द्वारा आयकर देने की बात सामने आयी थी, इसलिए खातों में पेंशन नही भेजी गयी थी।

इस बात को लेकर जब महिलाओं ने विभाग के चक्कर लगाये और अपनी बात अधिकारियों से बतायी, जिसके बाद पुनः लेखपालों द्वारा इन महिलाओं का सत्यापन कराया गया जिसमें यह महिलाएं पात्र मिली थी। इसके बाद इन महिलाओं की पेंशन के लिए प्रोबेशन अधिकारी ने संस्तुति महिला कल्याण निदेशालय से की थी। अब महिलाओं के खातें में तीन हजार रूपये की धनराशि जून के अखिरी या फिर जुलाई के पहले सप्ताह में आ जायेगी।

जुर्माने की सजा काट रहे 02 बन्दी जेल से रिहा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला कारागार, कानपुर में निरूद्ध ऐसे 02 सिद्धदोष बंदी जिनकी मूल सजा अवधि पूरी हो चुकी है तथा वर्तमान में केवल जुर्माना की धनराशि अदा न कर पाने के कारण

कारागार में निरूद्ध थे, उनके अर्थदण्ड की धनराशि समाजसेवी संस्था ''श्री सनातन धर्म हनुमान मन्दिर सभा, कानपुर नगर'' के सहयोग से जमा कराकर कारागार से रिहा किया गया।रिहा होने वाले सिद्धदोष बंदीगण संजीव उर्फ मिन्चू पुत्र स्व0 राजकुमार दीक्षित, निवासी-105/08 प्रेमनगर, थाना-चमनगंज, जनपद-कानपुर नगर को 02 वर्ष का कारावास एवं अर्थदण्ड रू0-2000/- उत्कर्ष कश्यप् उर्फ पण्डित पुत्र संतोष कुमार कश्यप, निवासी-टूटी रेलवे लाइन, गीता पार्क, थाना-बजरिया, जनपद-कानपुर नगर को को 02 वर्ष का कारावास एवं अर्थदण्ड रू0-2000/-अपनी मूल सजा पूरी कर चुके थे तथा अर्थदण्ड के व्यतिक्रम की सजा काट रहे थे।

समाजसेवी संस्था श्री सनातन धर्म हनुमान मन्दिर सभा, कानपुर नगर के प्रधान पुजारी राजेश भल्ला एवं जेलर मनीश कुमार, व अनिल कुमार पाण्डेय, डिप्टी जेलर प्रदीप कुमार सिंह उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में गंगा पुल रेलिंग पर चढ़ी कार, हादसे के बाद लगा लंबा जाम, क्रेन की मदद से हटाई गयी क्षतिग्रस्त कार

» बाल-बाल बचे उन्नाव ड्यूटी करने जा रहे दो एसबीआई बैंक कर्मी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर-उन्नाव को जोडने वाले जाजमऊ गंगा पुल पर मंगलवार की सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार पुल की रेलिंग पर चढकर फंस गयी। ये तो अच्छा हुआ कि रेलिंग पार कर कार नीचे नही गिरी। वहीं हादसे में कार में सवार दो लोग सुरक्षित निकाल लिए गये।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह उन्नाव की एसबीआई में कार्यरत दो बैंक कर्मी चकेरी के श्यामनगर निवासी अमित शर्मा अपने सहकर्मी साथी निशांत शर्मा के साथ उन्नाव के गगनखेडा स्थित ब्रांच में जा रहे थे। बताया जाता है कि गंगा पुल पर पहुंचते ही पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी, जिससे कार गंगा पुल की रेलिंग में चढ गयी। हादसा देखकर कुछ देर के लिए लोगों की सांसे अटक गयी, लेकिन राहगीरों ने अथक प्रयास के बाद किसी प्रकार दोनो कर्मचारियों को किसी प्रकार कार से बाहर निकाल लिया। इस बीच ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद कानपुर की ओर लंबा जाम लग गया, जिससे पुल और फ्लाइओवर पर वाहनों की कतारें लग गयी।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन मंगाकर फसी कार को निकालने का प्रयास शुरू किया। कार पुलिस से हटाने में लगभग 40 मिनट का समय लग गया, जिसके बाद पुलिस के प्रयासों से धीरे-धीरे जाम की स्थिति को सामान्य किया जा सका। टीएसआई भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि हादसे के कारण जाम की सूचना पर वह मौके पर पहुंचे और कार के हटने के बाद जाम को सामान्य किया गया वहीं ट्रक चालक के बारे में जानकारी की जा रही है।

कानपुर में बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों के तहत मॉक ड्रिल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। संभावित बाढ़ आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों का आकलन करने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जनपद कानपुर नगर में दो अलग-अलग स्थानों पर बाढ़ आपदा संबंधी मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। यह अभ्यास उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से प्रदेश के बाढ़ संवेदनशील जनपदों में आयोजित की जा रही मॉक एक्सरसाइज के तहत संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कानपुर नगर जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर इन्सिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम (आईआरएस) को सक्रिय करते हुए सभी संबंधित विभागों को अपने संसाधनों एवं कार्मिकों सहित 24 घंटे अलर्ट मोड में रहने तथा किसी भी आपदा की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में तहसील बिल्हौर एवं घाटमपुर में बाढ़ राहत एवं बचाव कार्यों का व्यापक पूर्वाभ्यास कराया गया।मॉक ड्रिल की शुरुआत राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर से प्राप्त एक अलर्ट संदेश के साथ हुई। इस संदेश में अतिवृष्टि तथा गंगा एवं यमुना नदियों के जलस्तर में वृद्धि के कारण तहसील बिल्हौर और घाटमपुर के कुछ क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की काल्पनिक सूचना दी गई।अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) तथा नोडल अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर से संपूर्ण अभियान का संचालन किया। उनके निर्देशन में प्रथम घटना स्थल ग्राम नानामऊ (तहसील बिल्हौर) में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों की सुरक्षित निकासी और राहत शिविर संचालन तथा द्वितीय घटना स्थल ग्राम गडाथा (तहसील घाटमपुर) स्थित बाढ़ राहत शिविर के कम्युनिटी किचन में आग लगने की काल्पनिक घटना पर राहत एवं बचाव कार्यों का सफल अभ्यास किया गया।

खेत की जुताई करते समय रोटावेटर की चपेट में आने से ट्रैक्टर चालक की मौत

औरैया। जिले के थाना कुदरकोट क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां धान की रोपाई के लिए खेत की जुताई कर रहे एक युवा ट्रैक्टर चालक की रोटावेटर में फंसने से मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण युवक ट्रैक्टर से नीचे गिर गया और पीछे चल रहे रोटावेटर की चपेट में आ गया।इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुदरकोट थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर खास (मजरा टीला) निवासी सुरजीत यादव उर्फ पुता (35 वर्ष) रविवार सुबह रठा गांव में सतपाल उर्फ लहुआ के खेत की जुताई करने गए थे। आगामी सीजन को देखते हुए खेत में धान की रोपाई की तैयारी चल रही थी, जिसके लिए ट्रैक्टर के पीछे रोटावेटर लगाकर मिट्टी को समतल किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक एक ऐसा मोड़ आया जिसने हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दीं।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जुताई के दौरान अचानक सुरजीत का संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया, जिससे वह सीधे चलते ट्रैक्टर के नीचे जा गिरे। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता या ट्रैक्टर को रोका जाता, सुरजीत पीछे घूम रहे रोटावेटर के ब्लेडों की जद में आ गए और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दिल दहला देने वाले इस हादसे की खबर जैसे ही आस-पास के इलाकों में फैली, बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों की सूचना पर कुदरकोट थाना पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को रोटावेटर से बाहर निकाला और पंचनामा भरने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

सरकारी भूमि से कब्जा हटाने पहुंची महिला लेखपाल से अभद्रता, फाड़ा आदेश पत्र

» बीपीएस न्यूज

जालौन । जिले के थाना रामपुरा क्षेत्र में सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाने पहुंची एक महिला लेखपाल के साथ अभद्रता, गाली-गलौज और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। घटना के बाद राजस्व विभाग के कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया।जालौन। उत्तर प्रदेश में जालौन जिले के थाना रामपुरा क्षेत्र में सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाने पहुंची एक महिला लेखपाल के साथ अभद्रता, गाली-गलौज और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। घटना के बाद राजस्व विभाग के कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। नायब तहसीलदार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लेखपाल थाना रामपुरा पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।जानकारी के अनुसार तहसील माधौगढ़ में तैनात लेखपाल सीमा निषाद आठ जून को ग्राम लिटावली में शासकीय भूमि की जांच करने गई थीं। जांच के दौरान खाद के गड्ढों की भूमि पर चंद्रपाल सिंह का कब्जा पाया गया। कब्जा हटाने के निर्देश देने पर चंद्रपाल सिंह विरोध करने लगा। आरोप है कि उसने अपने पुत्र जयवीर सिंह के साथ मिलकर लेखपाल के हाथ से तहसीलदार के आदेशयुक्त प्रार्थना पत्र को छीनकर फाड़ दिया। लेखपाल की तहरीर के अनुसार दोनों आरोपियों ने गाली-गलौज, अभद्रता और जान से मारने की धमकी दी तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। साथ ही लेखपाल के पति पर हमला करने का प्रयास भी किया गया। थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चंद्रपाल सिंह और जयवीर सिंह के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जनपद के सभी ब्लॉकों में खुलेंगे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को विकासखंड पतारा के ग्राम हथेही में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की स्थापना हेतु प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भूमि की स्थिति, पहुंच मार्ग एवं अन्य आवश्यक मानकों का परीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

शासन के निर्देशानुसार जनपद के जिन विकासखंडों में वर्तमान में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संचालित नहीं हैं, वहां नए विद्यालय स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में कानपुर नगर जनपद में एक भी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संचालित नहीं है। ऐसे में भीतरगांव, बिधनू, बिल्हौर, चौबेपुर, घाटमपुर, ककवन, कल्याणपुर, पतारा, शिवराजपुर, सरसौल तथा नगर क्षेत्र में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं के लिए आवासीय विद्यालय खोले जाने प्रस्तावित हैं।जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में विद्यालय स्थापना के लिए तीन एकड़ निर्विवादित भूमि का शीघ्र चिन्हांकन कर प्रस्ताव उपलब्ध कराएं। भूमि ऐसी हो जहां सुगम पहुंच मार्ग उपलब्ध हो, हाईटेंशन विद्युत लाइन न हो तथा भूमि यथासंभव समतल हो। प्राथमिकता परिषदीय, राजकीय अथवा डायट परिसरों में उपलब्ध भूमि को दी जाएगी।जिलाधिकारी ने कहा कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बालिका शिक्षा को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तथा शिक्षा से वंचित होने की आशंका वाली बालिकाओं को लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालय खुलने से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं को शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूरस्थ स्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सुरक्षित आवासीय वातावरण, नियमित अध्ययन और शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता से बालिकाओं के बीच विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति में कमी आएगी तथा उच्च कक्षाओं में नामांकन बढ़ेगा। यह पहल बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह, तहसीलदार अंकिता पाठक सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

शुरू हुआ तीन दिवसीय जन कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर विकसित भारत अभियान के तहत एक बड़े जनहित कार्यक्रम का की शुरुआत आज से होने जा रही है। विकास खंड शिवराजपुर में 14 से 16 जून 2026 तक तीन दिवसीय जन कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला लगाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं को सीधे जनता के द्वार तक पहुँचाना है। शिविर में मिलने वाली मुख्य सुविधाएँ और सेवाएँ, जिसमें, आम जनता के लिए कई महत्वपूर्ण सरकारी सेवाओं और स्वास्थ्य जाँचों की व्यवस्था एक ही छत के नीचे की गई है। सरकारी योजनाएँ, कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और मौके पर ही पंजीकरण, रजिस्ट्रेशन ?राजस्व एवं प्रमाण पत्र- आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज़ों से जुड़े कार्य किये जायेंगे। वित्तीय सेवाओं में पेंशन, ऋण लोन व्यवस्था और बैंकिंग/विकास विभाग से जुड़े कार्य होंगे तथा महिला एवं बाल विकास- बाल विकास योजनाओं और पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी जाने के साथ निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ मुफ्त डॉक्टर परामर्श और दवाइयों का वितरण, मुफ्त जाँच- ब्लड प्रेशर, शुगर, टीबी, हीमोग्लोबिन आदि की निःशुल्क जाँच की जायेगी।

वहीं स्वच्छता एवं पोषण, स्वच्छता और बेहतर खान-पान को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा जाएगा। यह पूरा कार्यक्रम जितेंद्र प्रताप सिंह जिलाधिकारी, कानपुर नगर, अभिनव जे. जैनमुख्य विकास अधिकारी, कानपुर नगर, नेम चन्द्र खण्ड विकास अधिकारी, शिवराजपुर, कानपुर नगर स्थानीय प्रशासन की देखरेख में बेहद व्यवस्थित तरीके से आयोजित किया जा रहा है।प्रशासन की अपील है कि जन कल्याण की ओर एक कदम, विकसित भारत की ओर अग्रसर।÷ शिवराजपुर और आसपास के सभी क्षेत्रीय नागरिक इस तीन दिवसीय मेले में पहुँचकर सरकारी योजनाओं और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

आगामी मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत जन समूह के साथ गोष्ठी की गई आयोजित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा परम पुरवा चौकी थाना जूही मे गोष्ठी आयोजित की गई।गोष्ठी के दौरान कहा गया कि जुलूस केवल पूर्व-निर्धारित और प्रशासन द्वारा स्वीकृत मार्गों से ही निकाला जाए। मार्ग में कोई भी बदलाव न करें। जुलूस को निर्धारित समय पर शुरू करें और तय समय सीमा के भीतर ही समाप्त करें। इसमें देरी करने से बचें। जुलूस के दौरान कोई भी भड़काऊ नारा, भाषण या आपत्तिजनक सामग्री का प्रदर्शन न हो। सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक खबरों या अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही उन्हें आगे बढ़ाएं। किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें।जुलूस में असलहे, तलवार, लाठी या अन्य घातक हथियारों का प्रदर्शन पूरी तरह वर्जित है। डीजे या तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर का प्रयोग न करें। सुप्रीम कोर्ट के ध्वनि प्रदूषण संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें। जुलूस के दौरान यातायात बाधित न हो, इसके लिए स्वयंसेवक तैनात करें ताकि आपातकालीन वाहनों (एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड) को रास्ता दिया जा सके।जुलूस की वीडियोग्राफी की जाएगी। किसी भी प्रकार का कानून उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की बैरिकेडिंग और सुरक्षा घेरे का सम्मान करें। किसी भी स्थिति में पुलिस के काम में बाधा न डालें। आयोजक स्थानीय शांति समिति के सदस्यों के साथ निरंतर संपर्क में रहें। गोष्ठी में अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) योगेश कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त बाबूपुरवा सहित जूही थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा अपर पुलिस महानिदेशक ने की बैठक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस महानिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर, जोन के समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, कानपुर जोन बोर्ड ऑब्जर्वर, मुख्य नोडल अधिकारी/नोडल अधिकारी (पुलिस/प्रशासन), डीवी/पीएसटी दल, कार्यदायी संस्था

सुरक्षा एवं परीक्षा संचालन के प्रतिनिधि व सुरक्षा एवं ड्यिूटी में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में दिनांक 15.06.2026 से प्रारम्भ होने वाली पुलिस उपनिरीक्षक एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के अन्तर्गत अभिलेखों की समीक्षा एवं शारीरिक मानक परीक्षण तथा भर्ती प्रक्रिया से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से सम्पन्न कराए जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा सभी अधिकारियों को निर्धारित मानकों एवं शासनादेशों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अखिलेश की बेटी के खिलाफ अपमानजनक, फर्जी पोस्ट करने के लिए तीन लोगों पर मामला दर्ज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में साइबर अपराध पुलिस ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव को निशाना बनाकर किये गये आपत्तिजनक व भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट प्रसारित करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सपा की अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव परवीन यादव ने एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद यह मामला बृहस्पतिवार को सामने आया।शिकायत में आरोप लगाया गया कि अदिति यादव की छवि को धूमिल करने और सपा प्रमुख के परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के इरादे से अपमानजनक व मनगढ़ंत सामग्री ऑनलाइन साझा की गई थी। प्राथमिकी में भरत कुमार पटेल, नागेश्वर सिंह बघेल और विनोद कुमार यादव को नामजद किया गया है। शिकायत के अनुसार, नौ जून को भरत कुमार पटेल नाम के सोशल मीडिया पर एक खाते से कथित तौर पर अपलोड किये गये एक पोस्ट में अदिति यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ-साथ झूठे और भ्रामक दावे शामिल थे।एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पोस्ट में उन्हें कथित तौर पर चोरी और आपराधिक गतिविधियों से जोड़ा गया तथा उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने के इरादे से एक संपादित तस्वीर भी पोस्ट की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सामग्री जानबूझकर गढ़ी गई थी और एक सम्मानित परिवार को बदनाम करने व सार्वजनिक आक्रोश भड़काने के लिए प्रसारित की गई थी। उन्होंने दावा किया कि दो अन्य आरोपियों ने मूल पोस्ट के जवाब में अपमानजनक टिप्पणियां पोस्ट कीं। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) विपिन ताडा ने बताया कि भरत कुमार पटेल, नागेश्वर सिंह बघेल और विनोद कुमार यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा कि लगाई गई धाराएं महिला की गरिमा का अपमान करने, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के इरादे से जालसाजी व आपत्तिजनक सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण के माध्यम से गोपनीयता का उल्लंघन करने से संबंधित हैं। टाडा ने बताया कि मामले की जांच साइबर अपराध थाने द्वारा की जा रही है। साइबर अपराध प्रभारी निरीक्षक सतीश यादव ने बताया कि अपलोड किये गये पोस्ट, उपयोग किए गए उपकरणों और इसमें शामिल लोगों की पहचान के लिए सोशल मीडिया पोस्ट की फोरेंसिक जांच तथा खातों की डिजिटल ट्रेसिंग जारी है।

नाला धंसने से प्रभावित क्षेत्र का विधायक अमिताभ बाजपेई ने किया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने लक्ष्मीपुरवा-खलवा क्षेत्र में डॉट नाला धंसने से उत्पन्न गंभीर स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। विधायक बाजपेई ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना तथा स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने जलकल विभाग एवं नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने, प्रभावित क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा। कहा नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से राहत एवं मरम्मत कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने की बात कही।

वीएसएसडी कॉलेज के स्पोर्ट मैदान में अंडर-12 क्रिकेट स्पर्धा के लिए ट्रायल शुरू, परखी जायेगी प्रतिभा

कानपुर। वीएसएसडी कॉलेज के स्पोर्ट मैदान में अंडर-12 क्रिकेट स्पर्धा के लिए ट्रायल शुरू हो रहे है। इस ट्रायल के माध्यम से प्रथम एसकेएमके अंडर-12 क्रकेट प्रतियोगिता के लिए खिलाडियों का चयन किया जायेगा।

बतादें कि आने वाली 21 जून को प्रथम एसकेएमके अंडर-12 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाने वाला है। इस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन कानपुर क्रिकेट एसोसएशन और खांडेकर क्रिकेट अकादमी द्वारा 21 जून को कराया जायेगा। इसके लिए 10 टीमों का चयन किया जायेगा और टीमों के खिलाडियों के चयन के लिए ट्रायल वीएसएसडी कॉलेज के स्पोर्टस मैदान में शुरू हो रहे है।बताया जाता है कि इस ट्रायल के माध्यम से खिलाडियों की प्रतिभा को देखा जायेगा और 10 टीमों के लिए उनका चयन किया जायेगा। ट्रायल के दौरान केसीए के चयनकर्ता उपस्थित रहेगे जो खिलाडियों की प्रतिभा को परखेंगे।

जाजमऊ क्षेत्र के गंगा तट पर मिला युवक का बैग और मोबाइल, नदी में छलांग लगाने की आशंका

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शुक्रवार को जाजमऊ क्षेत्र के गंगा तट पर एक युवक का कपडे से भरा बैग और उसका मोबाइल मिला साथ ही एक बिरयानी पैक प्लास्टिक का डिब्बा भी मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक द्वारा गंगा में छलांग लगाने की आंशका के चलते गोताखोरो को नदी में उतार दिया और शव को खोजने का काम शुरू किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार जाजमऊ में गंगा नदी के किनारे सुबह स्थानीय कुछ लोगों ने एक कपडे से भरा बैग और मोबाइल देखकर पुलिस को सूचना दी। यह खबर फैलते ही गंगा तट पर भीड लग गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब बैग की तलाशी ली तो उसमें कपडों के साथ ही मार्च महीने में हुई एसआइ भर्ती परीक्षा का प्रवेश पत्र मिला। आशंका के चलते कि युवक ने नशे की हालत या किसी अन्य कारण से गंगा में छलाग लगा दी, पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर गंगा में युवक के शव को पता लगाने के लिए कहा।

वही युवक के बैग से मिले प्रवेश पत्र के माध्यम से युवक के परिजनों का पता लगाया जा रहा है। प्रवेश पत्र में युवक का नाम ऋतिक लिखा हुआ है। थाना प्रभारी संजय पाण्डेय ने बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा बैग, मोबाइल नदी के किनारे मिलने की सूचना मिली थी। शुक्लांगज से गोताखोरो की टीम बुलाकर युवक की नदी में खोज कराई जा रही है। जो कि हमारी पहली प्राथमिकता है। साथ ही मिले प्रवेश पत्र के आधार से उसके परिजनो के बारे में जानकारी की जा रही है।

कानून-व्यवस्था व अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जोनल कार्यालय में कानपुर जोन के समस्त जनपद प्रभारियों के साथ अपराध/कानून-व्यवस्था व अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी की गयी। समीक्षा गोष्ठी में महिला संबंधी अपराधों की प्रभावी रोकथाम, आगामी चुनावों की तैयारियों, साइबर अपराधों पर नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, ऑपरेशन कन्विक्शन की प्रगति, वांछित एवं पुरस्कार घोषित अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही तथा साइबर अपराधों के प्रति जनजागरूकता अभियान की समीक्षा की गयी।

समीक्षा गोष्ठी के दौरान निर्देशित किया गया कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराधियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने, महिला सुरक्षा एवं सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, जनसुनवाई एवं शिकायत निस्तारण की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करने तथा साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाए जाएं। साथ ही आगामी चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक सुरक्षा एवं प्रशासनिक तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा गोष्ठी में श्री आकाश कुलहरि, पुलिस महानिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, झांसी एवं श्री यमुना प्रसाद, पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को धर-दबोचा, वाहन चोर लंबे समय से पुलिस के लिए बने हुए थे चुनौती

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। फजलगंज पुलिस और स्वाट टीम सेंट्रल की संयुक्त कार्यवाही में दो शातिर वाहन चोरों को धर दबोचा। पकड़े गए शातिर वाहन चोर लंबे समय से पुलिस के लिए चुनौती बने हुए थे।

पकड़े गए दोनों शातिर अभियुक्त सोहेल खान निवासी बजरिया, अनमोल सैनी निवासी रोशन नगर को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि पकड़े गए दोनों चोर मोटरसाइकिल को चोरी करके उसके पार्ट्स काटकर कबाड़ी को बेच देते थे। पुलिस ने चोरी किए गए मोटरसाइकिल के पार्ट्स खरीदने वाले राम जी कबाड़ी बारहसिरोही की दुकान में छापा मारकर मोटरसाइकिल के पार्ट्स बरामद किया है।पकड़े गए अभियुक्त के पास से एक मोटरसाइकिल और मोटरसाईकिल के कटे हुए पार्ट्स और कटी हुई नंबर प्लेट बरामद की गई। दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया।

क्राइम ब्रांच व पुलिस को मिली बडी सफलता 600 किलो से अधिक मादक पर्दाथ बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मंगलवार की सुबह तडके क्राइम ब्रांच तथा पुलिस को एक बडी सफलता उस समय मिली, जब एक ट्रक की तलाशी लेने के बाद उसमें 600 किलो से अधिक मादक पदार्थ बरामद किया गया। पकडे गये मादक पदार्थो की अंतराष्ट्रीय बाजार में लगभग 10 करोड रूपये की कीमत बताई जाती है।

जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच तथा रावतपुर टीम को मिली सूचना के आधार पर पूरी तैयारी के साथ मंगलवार की सुबह तडके लगभग साढे चार बजे संयुक्त अभियान के अंतर्गत एडीसीपी सुमित रामटेक अपनी दो टीमों के साथ एक ट्रक को रोकने का प्रयास किया। ट्रक के न रूकने पर लगभग 15 किलोमीटर ट्रक का पीछा करते हुए उसे रोक कर चालक से जब पूंछा गया कि ट्रक में क्या है तो बताया गया कि आंटे की बोरियां है।

तलाशी के दौरान ट्रक से मादक प्रदार्थ की बडी खेप बरामद की गयी। मौके पर से तस्कर लियाकत अली जिसे हरियाणा निवासी बताया जा रहा है उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं पूंछताछ के दौरान जमशेद, जावेद, जुनैद के भी नाम सामने आये है। एडीसीपी क्राइम सुमित रामटेक ने बताया कि चालक हरियाणा का है और मादक पदार्थ की खेप आगरा ले जा रहा था।

यह एक अंर्तराज्यीय गिरोह का मामला है और इससे सम्बन्धित पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। यह एक बडी खेप मानी जा रही है, पुलिस द्वारा संभावित ठिकानो पर छापेमारी की जा रही है। मामाले में एनडीपीएक्स एक्ट में मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाई की जा रही है।

महापौर के निरीक्षण में खुली सफाई की पोल, नालों में मिली गाद ही गाद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मानसून आने से पहले कानपुर में नाला सफाई के दावों की हकीकत जानने के लिए महापौर प्रमिला पांडे खुद मैदान में उतरीं। गुरुवार सुबह जोन-1 के विभिन्न इलाकों में नालों का निरीक्षण करने पहुंचीं महापौर ने जब नालों की पटिया हटवाकर स्थिति देखी, तो सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई। महापौर के मुताबिक नाले 25 प्रतिशत भी साफ नहीं मिले, जबकि अधिकारियों द्वारा सफाई के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे।

महापौर ने अधिकारियों के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि नालों की सफाई संतोषजनक नहीं है

और कई स्थानों पर नाले 25 प्रतिशत भी साफ नहीं पाए गए। उन्होंने नाला सफाई में लापरवाही पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। महापौर ने नालों की सफाई में अतिक्रमण को बड़ी बाधा बताते हुए नगर आयुक्त को ऐसे अतिक्रमणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही शहरवासियों से भी अपील की कि वे नाला सफाई कार्य में सहयोग करें और अवैध कब्जों को हटाने में प्रशासन का साथ दें।

टंकी से जलापूर्ति शुरू न होने पर डीएम ने प्रोजेक्ट मैनेजर को लगाई फटकार

कानपुर। कानपुर नगर के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत बौढ़नपुर-चौधरीपुर में निर्मित ओवरहेड पानी की टंकी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि लगभग 3.45 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित परियोजना का कार्य पूर्ण हो चुका है।

परिसर में सोलर प्लांट और जेनरेटर की व्यवस्था भी उपलब्ध है तथा जलापूर्ति का ट्रायल भी सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इसके बावजूद ग्रामीणों को अब तक नियमित पेयजल आपूर्ति शुरू नहीं की गई है। इस पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मौके से ही कार्यदायी संस्था वीटीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर मनोज द्विवेदी से दूरभाष पर वार्ता कर कड़ी फटकार लगाई और जलापूर्ति तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण होने और ट्रायल सफल होने के बाद भी योजना का लाभ ग्रामीणों तक न पहुंचना गंभीर लापरवाही है। यह परियोजना तीन ग्रामों की 3,466 आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए स्थापित की गई है।योजना के अंतर्गत 663 घरों तक नल से जल पहुंचाया जाना है, जिसके लिए 9,782 मीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना को अविलंब संचालित कर ग्रामीणों को जल जीवन मिशन का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कानपुर मेट्रो : झकरकटी से नौबस्ता तक 7 नए स्टेशनों पर होना है यात्री सेवाओं का विस्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के कॉरिडोर-1 के शेष सेक्शन (कानपुर सेंट्रल ङ्क नौबस्ता) पर यात्री सेवाओं के विस्तार की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इसी क्रम में मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) के आगमन से पूर्व उनकी चार सदस्यीय टीम उक्त सेक्शन के प्रारंभिक निरीक्षण के लिए कानपुर पहुंची है।

निरीक्षण के दौरान टीम मेट्रो ट्रैक, स्टेशनों, टनल, रिसीविंग सब-स्टेशन तथा यात्री सुरक्षा से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं और प्रावधानों का विस्तृत निरीक्षण करेगी।

इस दौरान टीम उक्त सेक्शन पर सिग्नलिंग, इलेक्ट्रिकल, ट्रैक एवं सिविल विभागों से जुड़े तकनीकी मानकों को गहराई से परखेगी। यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह निरीक्षण एवं मूल्यांकन प्रक्रिया नव-निर्मित सेक्शन की तकनीकी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक यात्री सेवाओं के विस्तार से पूर्व मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) भी आगामी दिनों में इस सेक्शन का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण एवं मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सीएमआरएस द्वारा यात्री सेवाओं के विस्तार हेतु आवश्यक अनुमोदन प्रदान किया जाएगा। नव-निर्मित सात स्टेशनों में दो अंडरग्राउंड तथा पांच एलिवेटेड स्टेशन शामिल हैं। इस सेक्शन पर यात्री सेवाएं प्रारंभ होने से शहर के दक्षिणी भाग के निवासियों को सेंट्रल रेलवे स्टेशन, बड़ा चौराहा, परेड चौराहा, कलेक्ट्रेट, कचहरी, हैलट अस्पताल, विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रमुख स्थलों तक तेज, सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही, दक्षिणी क्षेत्र के मेट्रो नेटवर्क से जुड़ने के बाद शहरवासियों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी तथा उन्हें सुविधाजनक, सुखद, सुरक्षित और निर्बाध यात्रा का बेहतर विकल्प उपलब्ध होगा।

तीन तलाक और एसिड अटैक पीड़िताओं को मिलेगा पक्का घर, 5 लाख तक इलाज भी मुफ्त

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने महिलाओं के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश में तीन तलाक और एसिड अटैक से पीड़ित महिलाओं के साथ बेसहारा महिलाओं को घर और 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। योगी सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़कर पीड़ित महिलाओं को सुविधा देने की तैयारी में है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग ने विभागीय स्तर पर काम करना भी शुरू कर दिया है। विभाग तीन तलाक और एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं के साथ बेसहारा महिलाओं का विस्तृत डेटा इकट्ठा कर रहा है, जिससे पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर मिल सके। वहीं, शासन स्तर पर भी इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और शासनादेश (जीओ) तैयार करने की प्रक्रिया भी चल रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग ने अपने स्तर पर काम शुरू कर दिया है।

विभाग तीन तलाक पीड़िताओं, एसिड हमले की शिकार महिलाओं और बेसहारा महिलाओं का पूरा ब्यौरा इकट्ठा कर रहा है, जिससे जरूरतमंद महिलाओं को सरकारी योजनाओं का फायदा पहले मिल सके। इसके अलावा, सरकार की ओर से इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश और सरकारी आदेश (जीओ) बनाने की प्रक्रिया भी जारी है।

जो आंकड़े इकट्ठे किए जा रहे हैं, उनके आधार पर योग्य महिलाओं को चिन्हित किया जाएगा और फिर उन्हें सरकार की इन लाभकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। योगी सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि कोई भी पात्र महिला जानकारी की कमी या फिर सरकारी प्रक्रियाओं की उलझन की वजह से योजना के लाभ से वंचित न रह जाए।

हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद अधिकारियों को इस दिशा में काम करने के निर्देश दिए थे।सीएम ने बैठक में कहा था कि ट्रिपल तलाक या एसिड अटैक से पीड़ित महिलाओं में से जिनके पास स्थायी आवास नहीं है उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही इन महिलाओं और उनके परिवारों को आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से भी जोड़ा जाए, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

तुगलकाबाद में आग का तांडव, तीन मरे, कई जले

ग्राउंड फ्लोर पर खड़े वाहनों में धधकी आग, धुआं पूरी इमारत में फैला

» बीपीएस न्यूज

एक ही परिवार को तीन लोगों की हुई मौत

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान पंकज (28), उनकी मां गुड्डी (50) और उनकी बहन सोनी (20) के तौर पर हुई है; ये सभी इमारत की तीसरी मंजिल पर रहते थे। पुलिस ने बताया कि परिवार के दो अन्य सदस्य, पंकज की एक और बहन मोनी (18) और उनकी 70 वर्षीय नानी, गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है।

नई दिल्ली । रात करीब 2.31 बजे तुगलकाबाद की गली नंबर-1 स्थित नया तारा अपार्टमेंट के पास एक मकान में आग लगी। आग मकान के ग्राउंड फ्लोर पर खड़े वाहनों में लगी थी। इसके बाद धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया और कई लोग अंदर फंस गए।दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुर के तुगलकाबाद इलाके में शुक्रवार तड़के एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत में लगी भीषण आग में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच महिलाएं झुलस गईं। 70 साल की एक महिला समेत दो की गंभीर रूप से घायल हैं। दमकल कर्मियों ने साहसिक बचाव अभियान चलाकर कुल आठ लोगों को इमारत से बाहर निकाला और विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, रात करीब 2:31 बजे तुगलकाबाद की गली नंबर-1 स्थित नया तारा अपार्टमेंट के पास एक मकान में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आग मकान के ग्राउंड फ्लोर पर खड़े वाहनों में लगी थी। इसके बाद धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया और कई लोग अंदर फंस गए।

दमकल विभाग के अनुसार, संबंधित इमारत ग्राउंड प्लस पांच मंजिला है और संकरी गली में स्थित होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद दमकल कर्मियों ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और सुबह तक आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

अधिकारियों के मुताबिक, आग पर सुबह 3:45 बजे नियंत्रण पा लिया गया था, जबकि सुबह 4 बजे आग पूरी तरह बुझा दी गई। इसके बाद भी इमारत में फंसे लोगों की तलाश और बचाव अभियान जारी रखा गया।

डीएफएस के अनुसार, पांच महिलाओं को सफदरजंग अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया, जबकि दो महिलाओं और एक पुरुष को सीएटीएस एम्बुलेंस तथा पीसीआर की मदद से एम्स ट्रॉमा सेंटर के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी वार्ड में पहुंचाया गया।

सफदरजंग अस्पताल में भर्ती दो महिलाओं को ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन महिलाओं का उपचार जारी है। वहीं, एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती एक पुरुष ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल में भर्ती दो अन्य महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज चल रहा है।

प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि पार्किंग क्षेत्र में लगी आग से निकला घना धुआं तेजी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंच गया, जिससे लोग इमारत में फंस गए। पुलिस और दमकल विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

मालवीय नगर अग्निकांड में बड़ी कार्रवाई, फर्जी रिपोर्ट पर लाइसेंस देने वाला हेल्थ इंस्पेक्टर बर्खास्त

मालवीय नगर इलाके में हुई हालिया आग की घटना के बाद दिल्ली नगर निगम ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। निगम के जन स्वास्थ्य विभाग ने कर्तव्य में घोर लापरवाही, ढिलाई और भ्रष्टाचार के आरोप में साउथ जोन में तैनात सहायक जन स्वास्थ्य निरीक्षक प्रिंस मन्न की अनुबंधित सेवाओं को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। साथ ही, साउथ जोन उप स्वास्थ्य अधिकारी संजय सिंहा का तबादला कर दिया गया है।विभागीय आदेश के अनुसार, मालवीय नगर के हौज रानी (269, ष्ट-2) स्थित एक परिसर में बिना बैठने की व्यवस्था वाले चाय और स्नैक्स के व्यापार लाइसेंस का आवेदन आया था। उक्त इंस्पेक्टर को 17 मार्च 2026 को इस परिसर का निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपने की जिम्मेदारी दी गई थी। परंतु, उन्होंने बिना किसी वैध कारण के इस फाइल को 78 दिनों तक दबाए रखा। इसके बाद 2 जून 2026 को उन्होंने एक अत्यंत सतही और संदिग्ध जमीनी निरीक्षण किया। उन्होंने जानबूझकर कागजों में दर्ज विवरण और जमीन की वास्तविक कमियों को छुपाया और फर्जी तरीके से लाइसेंस देने की सिफारिश कर दी, जिसके बाद उसी दिन लाइसेंस जारी भी हो गया।हैरान करने वाली बात यह रही कि इस भ्रामक रिपोर्ट के आधार पर 2 जून को लाइसेंस जारी हुआ और ठीक उसके अगले दिन, यानी 3 जून 2026 को उसी संबंधित परिसर में भीषण आग लग गई। इस हादसे ने निगम प्रशासन और सुरक्षा मानकों की पोल खोल कर रख दी।निगम द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि कर्मचारी का यह आचरण न केवल उनके काम के प्रति घोर लापरवाही को दर्शाता है।

कुक की कथित लापरवाही से लगी थी आग, गुबार उठते ही भाग निकला था नेगी

दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल में लगी भीषण आग में 23 मौत के लिए पुलिस ने कुक केशव नेगी को जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि कुक ने पूछताछ में बताया कि गुरुग्राम के रहने वाले विवेक अग्रवाल के परिवार के ऑर्डर पर चिली पोटैटो बनाते समय लापरवाही से आग लगी

और वह भाग गया जिसकी वजह से छोटी सी आग ने भीषण अग्निकांड का रूप ले लिया। अभी तक किसी तरह की रिपोर्ट नहीं आने से इस थ्योरी पर सवाल भी उठ रहे हैं। कोई भी अधिकारी इस बारे में अपने नाम से बयान देने से बच रहा है।इन्होंने कुक केशव को आठ लोगों के लिए चिली पोटैटो बनाने के लिए बोला था। अमुक अधिकारी के मुताबिक केशव नेगी ने पूछताछ में बताया कि जैसे ही उसने फ्राईपैन से पोटैटो को मिक्स करने के लिए उछाला तो फ्राईपान ने आग पकड़ ली और भड़क गई।

एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, खड़े ट्रक में घुसी कार टक्कर होते ही उड़े परखच्चे, चार लोगों की मौत

» बीपीएस न्यूज

गंगा एक्सप्रेसवे पर मौत का तांडव

चार लोगों की मौत से मची चीख-पुकार

उन्नाव। उन्नाव जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार शाम भीषण सड़क हादसा हुआ। आसीवन थाना क्षेत्र के नंगाखेड़ा गांव के पास किलोमीटर संख्या 387.6 पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में तेज रफ्तार कार पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार शाम करीब पांच बजे के आसपास हुई। कार सवार लोग गंगा एक्सप्रेसवे से गुजर रहे थे, तभी गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। सूचना मिलते ही आसीवन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आनन फानन घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रयागराज के निवासी थे सभी

पुलिस के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी के नंबर के आधार पर प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक प्रयागराज जनपद के रहने वाले थे। फिलहाल, पुलिस मृतकों की शिनाख्त सुनिश्चित करने के साथ गाड़ी के पंजीकरण विवरण का मिलान कर रही है।

परिजनों से संपर्क में जुटी पुलिस

हादसे की सूचना मिलने के बाद हड़कंप मच घटना की जानकारी दी जा सके और शवों का की जांच शुरू कर दी है।

मृतकों में ये हैं शामिल

- उदय सिंह (26) पुत्र राम सिंह निवासी जाफरपुर फूलपुर, जनपद प्रयागराज।
- अनुपम गुप्ता (32) पुत्र अजय गुप्ता निवासी जाफरपुर फूलपुर जनपद प्रयागराज।
- विजय पुत्र मकसूदनलाल (25) निवासी बाबूगंज कस्बा फूलपुर, जनपद प्रयागराज।
- अमन पुत्र अज्ञात (28) निवासी बाबूगंज कस्बा फूलपुर, जनपद प्रयागराज।

राम मंदिर के दान में गबन मामले में सीबीआई जांच की मांग

लखनऊ हाईकोर्ट में आईपीएल दाखिल; ऑडिट कराने की अपील

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन मामले की जांच के लिए उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में केंद्रीय जांच एजेंसी से जांच कराने और दानपात्रों में प्राप्त नकदी, आभूषण तथा अन्य मूल्यवान वस्तुओं का महालेखा परीक्षक से ऑडिट कराने की मांग की गई है। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दानपात्रों से चढ़ावे की संपत्ति के कथित गबन मामले की सीबीआई जांच की पीआईएल शुक्रवार को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में दाखिल हुई है। इसपर अगले सप्ताह सुनवाई संभावित है। स्थानीय अधिवक्ता मोहित अशोक ने व्यक्तिगत रूप से यह जनहित याचिका दाखिल की है। इसमें, कथित गबन मामले की जांच समेत केस दर्ज करने के निर्देश सी बी आई को देने का कोर्ट से आग्रह किया गया है। साथ ही श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के दानपात्रों में चढ़ावे के रूप में मिलने वाली नकद धनराशि, सोने चांदी के आभूषणों व अन्य कीमती वस्तुओं का आडिट महालेखा परीक्षक नियंत्रक(कैग) से कराने की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था के प्रतीक भगवान श्रीराम जी के मंदिर में दान व चढ़ावे की संपत्ति के कथित गबन के आरोपों का मामला अखबारों में छपा। इससे भक्तों की भावनाओं को ठेस पंहुची। ऐसे में इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच और ऑडिट होना आवश्यक है। याचिका में केंद्र बी राज्य सरकार समेत सी बी आई, कैग व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी पक्षकार बनाया गया है।

राम मंदिर में दान राशि के कथित गबन के आरोप का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मंदिर की व्यवस्था और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर मंथन शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार, मामले में जांच प्रक्रिया के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तलब की है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर मंदिर प्रबंधन और व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। जांच के दायरे में आए कुछ कर्मचारियों की भूमिका को लेकर सवाल उठने के बाद उनकी सेवाएं समाप्त करने अथवा उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटाने पर भी विचार किया जा रहा है।ताकि व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह तथा पारदर्शी बनाया जा सके। बुधवार को कथित तौर पर गबन हुई डेढ़ करोड़ की राशि के बरामद होने की बात सामने आई। संदिग्धों से पूछताछ, उनके बैंक डिटेल आदि की जांच का क्रम जारी होने की चर्चा भी जोरों पर रही है। गबन के मामले में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर ने कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया। माना जा रहा है कि दान के पैसों की गिनती में लगे बैंक कर्मियों की भी जांच हो रही है। फिलहाल पूरे मामले में राम मंदिर ट्रस्ट ने चुप्पी साध रखी है।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में राज्यमंत्री ने लगाए जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारे

» बीपीएस न्यूज

अलीगढ़ एएमयू में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारे लगाए। उनके बाद वहां बैठे लोगों ने भी जय श्री राम कहा। जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारों से कैनेडी हॉल गूंज गया। उत्तर प्रदेश के उद्यान एवं कृषि विपणन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एएमयू के कैनेडी हॉल में जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारे लगाए। वहां उपस्थित लोगों ने भी उत्साहपूर्वक उनके साथ नारे लगाए। उद्यान राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के कैनेडी हॉल में औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम केंद्र सरकार में प्रधानमंत्री के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में था। राज्य सरकार में मुख्यमंत्री के नौ वर्ष का कार्यकाल भी पूर्ण हुआ था। इन दोनों महत्वपूर्ण उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए यह गोष्ठी रखी गई थी। राज्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के संग्रहालय और मौलाना आजाद पुस्तकालय का भ्रमण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने के प्रयासों की प्रशंसा की। दिनेश प्रताप सिंह ने इस कार्य को बेहद प्रशंसनीय बताया। उन्होंने कहा कि इतिहास को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संग्रहालय में उन्होंने गौतम बुद्ध की प्राचीन प्रतिमा सहित कई दुर्लभ ऐतिहासिक धरोहरों का अवलोकन किया।

मस्क ने पूरा किया ट्रिलियन डॉलर का सफर, कई देशों की अर्थव्यवस्था से भी अधिक हुई दौलत

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली इंसानों की ओर से होने वाले व्यापार के इतिहास में जो कभी नहीं हुआ, वह अब हो गया है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए हैं। यह एक ऐसी अकल्पनीय संपत्ति है, जिसकी तुलना अब किसी अन्य व्यक्ति से नहीं, बल्कि सीधे कई देशों की कुल अर्थव्यवस्था (जीडीपी) से हो रही है। आखिर मस्क इतनी बड़ी संपत्ति के मालिक कैसे बन गए हैं और एक ट्रिलियन डॉलर की वास्तविक अहमियत क्या है?

एलन मस्क के पास वर्तमान में टेस्ला के सीईओ के रूप में लगभग 273 बिलियन डॉलर (25.93 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति है। ब्लमबर्ग के अनुसार उनकी सभी कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी के हिसाब से उनकी कुल नेटवर्थ करीब 703 अरब डॉलर के करीब है। लेकिन असली गेमचेंजर उनकी रॉकेट और एआई कंपनी स्पेसएक्स का आईपीओ है।

रॉकेट और सैटेलाइट बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स ने 55.56 करोड़ (555.6 मिलियन) शेयर बेचकर अपने आईपीओ से 75 अरब डॉलर जुटाए हैं। इस भारी-भरकम निवेश के बाद कंपनी का कुल मूल्यांकन 1.77 ट्रिलियन (168.15 लाख करोड़ रुपये) डॉलर हो गया है। यह शेयर बाजार के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है।। चूंकि मस्क के पास कंपनी के लगभग आधे शेयर हैं, इसलिए इस आईपीओ से उनकी संपत्ति में सीधे 841 बिलियन डॉलर (79.89 लाख करोड़ रुपये) का इजाफा हो गया है। इन दोनों कंपनियों को मिलाकर उनकी कुल संपत्ति 1.11 ट्रिलियन डॉलर (105.45 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गई है।एक ट्रिलियन डॉलर (करीब 95 लाख करोड़ रुपये) का मतलब है एक हजार बिलियन (यानी एक लाख करोड़ डॉलर)। इसे आम इंसान के नजरिए से समझना लगभग नामुमकिन है। अगर आप हर दिन, हर घंटे 1 मिलियन डॉलर (9.5 करोड़ रुपये) खर्च करें, तो भी 1 ट्रिलियन डॉलर (95 लाख करोड़ रुपये) खर्च करने में आपको 100 साल (एक सदी) से ज्यादा का वक्त लग जाएगा। हालांकि, मस्क की यह दौलत बैंक में रखे नकद के रूप में नहीं है, बल्कि यह शेयरों में दर्ज कागजी संपत्ति है, जो पूरी तरह से निवेशकों के भविष्य के मूल्यांकन पर टिकी है।

थाईलैंड की भावी महारानी प्रिंसेस भा का निधन, उत्तराधिकार को लेकर बढ़ी अनिश्चितता

» साढ़े तीन वर्ष से कोमा में थीं राजकुमारी बज्रकितियाभा, शाही परिवार ने जारी किया आधिकारिक बयान

नई दिल्ली। थाईलैंड के शाही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। देश के राजा महा वजिरालॉन्गकॉर्न की सबसे बड़ी पुत्री और राजगद्दी की प्रमुख दावेदार मानी जाने वाली राजकुमारी बज्रकितियाभा, जिन्हें प्रिंसेस भा के नाम से जाना जाता था, का 47 वर्ष की आयु में निधन हो गया। शाही महल द्वारा जारी आधिकारिक बयान में उनकी मृत्यु की पुष्टि की गई है। उनके निधन से पूरे थाईलैंड में शोक की लहर फैल गई है।प्रिंसेस भा पिछले लगभग साढ़े तीन वर्षों से कोमा में थीं। दिसंबर 2022 में वह अपने पालतू कुत्तों को टहला रही थीं, तभी अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। चिकित्सकीय जांच में हृदय संबंधी गंभीर संक्रमण का पता चला, जिसके कारण उनके मस्तिष्क तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच सकी। इसके बाद उनकी स्थिति लगातार गंभीर बनी रही और उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया था।हाल के दिनों में उनकी तबीयत और बिगड़ गई थी। संक्रमण के चलते शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और बैंकॉक के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। प्रिंसेस भा थाईलैंड की सबसे प्रभावशाली शाही हस्तियों में गिनी जाती थीं। उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से कानून की उच्च शिक्षा प्राप्त की थी ।

और न्याय, मानवाधिकार तथा सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उनकी लोकप्रियता और प्रशासनिक समझ के कारण उन्हें भविष्य की महारानी के रूप में देखा जा रहा था।उनके निधन के बाद थाईलैंड में राजसिंहासन के उत्तराधिकार को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। 73 वर्षीय राजा महा वजिरालॉन्गकॉर्न ने अभी तक अपने उत्तराधिकारी की औपचारिक घोषणा नहीं की है। ऐसे में 21 वर्षीय प्रिंस दिपंगकोर्न को संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है। हालांकि उनकी कम उम्र और सीमित अनुभव को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। राजनीतिक और शाही गलियारों में अब इस बात पर नजरें टिकी हैं कि शाही परिवार उत्तराधिकार के मुद्दे पर आगे क्या निर्णय लेता है।

भयंकर गर्मी में क्या आप का गुस्सा भी आ जाता है नाक पर?

अपनायें यह टिप्स आपके दिमाग को रखेगा कूल- कूल

जब भंयकर गर्मी पड़ती है तो अच्छो-अच्छों की हेकड़ी निकल जाती है। इस समय उत्तर भारत में पारा 45 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है। लोग भीषण गर्मी में रहना मुश्किल हो गया है। आग गोले उगलने वाली गर्मी पड़ती है, तो इंसान का गुस्सा नाक पर आ जाता है। भीषण गर्मी के कारण छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा होना शुरु हो जाते हैं। घंटो तक ट्रैफिक में खड़े रहने से गुस्सा आ जाता है, छोटी-मोटी बातों पर क्रोधित हो जाना है। यह सब सीजनल अफेक्टिव डिसआर्डर के लक्षण है। इन दिनों आपके साथ भी काफी हो रहा है। इसके पीछे मनोवैज्ञानिक कारण है और इसे कैसे कंट्रोल करें, आपको इस लेख में बताएंगे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, गर्मियों में अधिक तापमान बढ़ने से व्यक्ति का शरीर ही नहीं दिमाग भी गर्म हो जाता है। इस दौरान व्यक्ति अनियंत्रित गुस्सैल हो जाता है, चिड़चिड़ा नेचर हो जाता है। अब इसे कैसे कंट्रोल करें, तो आपको बताते हैं।

गर्मियों में गुस्सा ज्यादा आने के कारण-पानी और ऑक्सीजन की कमी

भयंकर गर्मी में जब लू थपड़े मुंह पर पड़ते है, तो शरीर से पानी और ऑक्सीजन को खींच लेता है। अक्सर डिहाइड्रेशन के कारण दिमाग जल्दी गरम हो जाता है। डिहाड्रेट बॉडी के कारण व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता मर जाती है। जिससे व्यक्ति का गुस्से पारा हाई रहता है।

नींद की कमी

गर्मियों के समय नींद को पूरी करना काफी मुश्किल हो जाता है। आजकल लोग तो देर से सोते हैं, सारा समय सोशल मीडिया पर गुजरते हैं। रात को लेट सोते हैं और सुबह जल्दी उठ जाते है, जिससे कई लोगों की नींद पूरी नहीं होती है। जिस कारण से गर्मी में गुस्सा अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि पर्याप्त मात्रा में नींद लेना बहुत जरुरी है। जिससे व्यक्ति पूरा दिन चिड़चिड़ा रहता है।

कोर्सिटल का स्तर बढ़ना

कोर्सिटल एक प्रकार से तनाव हार्मोन है, जो गर्मी के समय सबसे ज्यादा बढ़ जाता है। इस दौरान व्यक्ति छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेता है, तो उसका कोर्सिटल हार्मोन बढ़ जाता है। इससे लोगों के अंदर गुस्सा बहुत तेजी से आ जाता है। कई बार ट्रैफिक के दौरान घंटों खड़े रहना या कही लाइन में लगे रहने से व्यक्ति का गुस्सा सातवें आसामान पर पहुंच जाता है।

शारीरिक समस्याएं

जरुरी नहीं है कि गर्मी में व्यक्ति के मन पर असर हो। असल में तेज सिरदर्द, दिल की धड़कन तेज होना और माइग्रेन जैसी समस्याओं से परेशान हो जाते हैं।

गुस्सा को कैसे शांत रखें

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी बताया है कि इस मौसम में गुस्सा को कम कैसे करें। जब आपको किसी पर बहुत गुस्सा आ रहा है, तो उस जगह से हट जाएं, बाहर चलें जाएं या फिर उस इंसान दूर रहे। ऐसा करने झगड़े की गुजाइंश नहीं रहेगी। जब आपका मन शांत हो जाए, तो एक गिलास ठंडा पानी पिएं, जिससे आपके दिमाग को ऑक्सीजन मिल जाए, ऐसा करने से आपका मन शांत रहेगा।

गहरी लंबी सांसों का अभ्यास करें

-जब भी आपको गुस्सा आएं, गहरी सांस अभ्यास करें। रोजाना सुबह उठकर डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज जरुर करनी चाहिए।

अगर आप बाहर हो, मार्केट में हो, या फिर रेड लाइट सिगनल पर हो, तो गुस्सा आने पर बाक्स ब्रीदिंग कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके दिमांग को शांत रहने के संकेत पहुंचते हैं।

दोपहर के समय बाहर न जाएं।

सुबह और शाम को गहरी सांस का अभ्यास करें। नियमित रुप से वॉक करें और तनाव से दूर रहे है। जब आप ट्रैफिक में फंसे हो, तो शांत म्यूजिक सुन सकते हैं।बाहर का मसालेदार व तला-भुना खाना न खाएं। जितना संभव हो आप बाहर या खुली हवा में सुकून भरी सांस जरुर लें। ऐसा करने से आपका गुस्सा जरुर शांत होगा।

क्या हर छोटी बात पर आप भी आ जाते हैं तनाव में?

आजकल हर कोई स्ट्रेस की समस्या से जूझ रहा है। वर्क प्रेशर, रिलेशनशिप से जुड़ी समस्याएं और भविष्य की चिंताएं युवाओं को सबसे ज्यादा परेशान कर रखा है। हमारी खराब जीवनशैली से भी तनाव बढ़ जाता रहा है। स्ट्रेस हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य पर काफी असर दिखाता है। इसको मैनेज करना भी बेहद जरुरी है वरना ये डिप्रेशन स्टेज पर भी पहुंच सकता है। इसलिए खुद को स्वस्थ रखने के लिए स्ट्रेस को सही तरीके से मैनेज करें। आइए आपको बताते हैं कैसे स्ट्रेस को कंट्रोल करें।

जब तनाव बढ़े या फिर हमें बहुत तेज गुस्सा आए, तो जरा भी रिएक्शन न दें। इस दौरान आप रुकें और गहरी सांस लेना शुरु कर दें। ऐसा करने से आपका नर्वस सिस्टम शांत होता है और दिमाग साफ तरीके से सोचने के लिए मदद करता है। इसलिए रोजाना डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। उदाहरण के तौर पर जैसे 4 सेकंड सांस अंदर लें, 6 सेकंड होल्ड करें और 8 सेकंड तक बाहर छोड़ें। इससे आपका शरीर और मन शरीर रिलैक्स होता है।

सदैव आज पर ही फोकस रखें

अक्सर व्यक्ति को स्ट्रेस बीते हुए समय की चिंता से आता है या आने वाले कल की फ्रिक से। इसलिए आज के समय में जिएं। खाने, चलने या काम करने के दौरान हर क्रिया को महसूस करें। यह तकनीक तनाव को कम करती है।जब आपके पास कार्य का कोई शेड्यूल न हो, तो यह काम बोझ लगने लगता है। हर सुबह समय निकालकर अपनी प्रथमिकताएं तय करें। जरुरी कामों की लिस्ट बनाएं और इन्हें एक-एक करके पूरा करें।

गौरतलब है कि तनाव लेने से कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ जाता है, जो एनर्जी लेवल को कम कर देता है। ऐसे में पानी और हेल्दी फूड्स जैसे कि फल, सलाद, ओट्स, और नट्स लें। इस दौरान कैफीन और जंक फूड से दूर रहे हैं।

रोजाना कुछ समय घर से बाहर प्राकृतिक वातावरण में बिताने की आदत डालें। किसी बगीचे, हरियाली वाले क्षेत्र या खुले स्थान पर जाकर ताजी हवा और सूरज की हल्की किरणों का आनंद लें।

अक्सर व्यक्ति को स्ट्रेस बीते हुए समय की चिंता से आता है या आने वाले कल की फ्रिक से। इसलिए आज के समय में जिएं। खाने, चलने या काम करने के दौरान हर क्रिया को महसूस करें। यह तकनीक तनाव को कम करती है।जब आपके पास कार्य का कोई शेड्यूल न हो, तो यह काम बोझ लगने लगता है। हर सुबह समय निकालकर अपनी प्रथमिकताएं तय करें। जरुरी कामों की लिस्ट बनाएं और इन्हें एक-एक करके पूरा करें।प्रकृति के बीच बिताए गए ये छोटे-छोटे पल मन को सुकून देते हैं और तनाव को कम करने में मदद करते हैं।विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, हरियाली और खुले वातावरण के संपर्क में रहने से शरीर में डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे रसायनों का स्तर बढ़ता है, जिससे मन प्रसन्न और ऊर्जावान महसूस करता है।जब आप स्ट्रेस को अधिक लेते हैं, तो सबसे जरुरी पर्याप्त नींद लेना। क्योंकि थका हुआ दिमाग तनाव और हवा देता है। सोने से पहले स्क्रीन बंद कर दें। हल्का म्यूजिक सुनें या ध्यान करें। रोजाना 7-8 घंटे तक नींद आपको मानसिक रुप से मजबूत बनाती है।

दर्शकों को थिएटर तक खींच लाते हैं जासूसी के रोचक किरदार

रहस्य, रोमांच और खतरे की परतों में लिपटी जासूसी फिल्में हमेशा से दर्शकों को अपनी ओर खींचती रही हैं। अनिश्चित परिस्थितियों में साहसिक फैसले लेने वाले किरदार, देशभक्ति की भावनाएं और आधुनिक तकनीक से सजे भव्य दृश्य इन फिल्मों को खास बनाते हैं। खासकर भारत-पाकिस्तान संबंधों की पृष्ठभूमि इन कहानियों में संवेदनशीलता और गहराई जोड़ती है, जिससे दर्शक का जुड़ाव और बढ़ जाता है। इस परंपरा में दिग्गज अभिनेता देव आनंद का योगदान महत्वपूर्ण रहा , जिन्होंने शुरुआती दौर में यह शैली लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई। अब 'राजी' और उसके बाद 'धुरंधर' सीरीज ने जासूसी के किरदार को फिर जीवंत किया।

भारतीय जनमानस और सिनेमा का संबंध हमेशा से ही कौतूहल और साहस की कहानियों से जुड़ा रहा है। मनोरंजन के विस्तृत फलक पर जब जासूसी और राष्ट्र प्रेम का मेल होता है, तो वह केवल एक फिल्म नहीं रह जाती, बल्कि एक सामूहिक राष्ट्रीय भावना का प्रतिनिधित्व करने लगती है। हिंदी सिनेमा के शैशव काल से लेकर आज की आधुनिक तकनीक से लैस 'धुरंधर' जैसी फिल्मों तक, जासूसी का कथानक एक लंबी और रोचक यात्रा तय कर चुका है। यह विधा केवल अंधेरी गलियों और रहस्यमयी संकेतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने बदलते दौर के साथ अपनी परिभाषा को विस्तार दिया है। ब्लैक एंड व्हाइट सिनेमा के दौर में जहां जासूसी का स्वरूप व्यक्तिगत रहस्यों और छिटपुट अपराधों को सुलझाने तक केंद्रित था, वहीं आधुनिक युग में यह भू-राजनीतिक संघर्षों, सीमा पार के तनावों और तकनीक आधारित युद्ध कौशल का मुख्य केंद्र बन गई है। दर्शकों के दिलों में इन जासूसी कहानियों के प्रति जो आकर्षण है, उसकी जड़ें हमारी संस्कृति में मौजूद अनिश्चितता के प्रति जिज्ञासा और नायक के प्रति अगाध विश्वास में निहित हैं।जैसे-जैसे समय बदला और देश ने विभिन्न युद्धों और बाहरी चुनौतियों का सामना किया, सिनेमाई जासूस का चेहरा भी बदलने लगा। जासूसी का केंद्र अब व्यक्तिगत अपराधों से हटकर राष्ट्र की सुरक्षा पर केंद्रित होने लगा। इस बदलाव ने जासूसी फिल्मों को एक नया मंच प्रदान किया, जहां पड़ोसी देशों, विशेषकर पाकिस्तान के साथ होने वाले तनावों को कहानियों का आधार बनाया गया। 'राजी' जैसी फिल्म इस विधा में एक मील का पत्थर साबित हुई, क्योंकि इसने जासूसी को केवल बंदूकों और धमाकों तक सीमित न रखकर एक जासूस के मानसिक द्वंद्व और उसके मानवीय बलिदानों को संजीदगी से पर्दे पर उतारा। 'राजी' में दिखाया गया कि एक जासूस के लिए देश के प्रति कर्तव्य और उसकी अपनी भावनाओं के बीच कितना गहरा संघर्ष होता है। जासूसी को गंभीर और जोखिम भरे पेशे के रूप में दिखाया गया, जिसमें ग्लैमर से ज्यादा त्याग का भाव सर्वोपरि था।

हाल के वर्षों में 'धुरंधर' जैसी सुपरहिट फिल्मों की शृंखला ने जासूसी की इस विधा को एक व्यापक और व्यावसायिक रूप दिया है। इन फिल्मों में जासूसी का कैनवास बहुत बड़ा हो गया। नायक केवल देश के भीतर ही नहीं, बल्कि सात समंदर पार जाकर भी दुश्मनों के मंसूबों को नाकाम करता है। पाकिस्तान और वहां की खुफिया एजेंसियों के इर्द-गिर्द बुनी गई कहानियां दर्शकों को अलग तरह का रोमांच प्रदान करती हैं। इनमें वीरता, चतुराई और अंततः सत्य की जीत जैसे तत्व होते हैं जो मनोरंजन के साथ-साथ संतोष भी प्रदान करते हैं। मनोवैज्ञानिक कारण यह भी कि दर्शक अपने नायकों को खतरनाक मानी जाने वाली चुनौतियों से लड़ते हुए देखना चाहते हैं।

ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के दौर में जासूसी का एक अलग ही सौंदर्यबोध था। उस दौर में देव आनंद एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में उभरे जिन्होंने जासूसी और अपराध आधारित थ्रिलर फिल्मों को एक नई पहचान दी। देव आनंद के किरदारों में जो चपलता और हाजिरजवाबी थी, उसने जासूस को केवल एक सरकारी मुलाजिम की छवि से निकालकर एक शहरी नायक के रूप में स्थापित किया। देव आनंद ने हिंदी सिनेमा में कई यादगार जासूसी किरदार निभाए। उनकी प्रमुख जासूसी या जासूसी-टच वाली फिल्मों की सूचियों में पहली फिल्म सीआईडी (1956) थी, जिसमें वे एक पुलिस इंस्पेक्टर के रूप में मर्डर मिस्ट्री सुलझाते हैं। काला पानी (1958) जेल और अपराध के रहस्य से जुड़ी कहानी थी, जिसमें देव आनंद सच्चाई खोजते हैं। काला बाजार (1960) में वे ब्लैक मार्केटिंग के खिलाफ पड़ताल करते हैं। 1961 में आई 'हम दोनों' पूरी तरह जासूसी फिल्म नहीं है, लेकिन इसमें पहचान और रहस्य का एंगल है। ज्वेल थीफ (1967) उनकी सबसे हिट स्पाई-थ्रिलर फिल्मों में से एक है। 'जॉनी मेरा नाम' (1970) में वे अंडरकवर एजेंट बनकर अपराधियों की गैंग में घुसते हैं। 1973 में आई 'हीरा पन्ना' चोरी, पीछा और रहस्य से भरी कहानी है। देव आनंद की जासूसी फिल्मों की खासियत उनका स्टाइल, डायलॉग डिलीवरी और स्मार्ट अंडरकवर रोल था।

देव आनंद के बाद इस मशाल को कई अन्य कलाकारों (अभिनेताओं और निर्देशकों) ने आगे बढ़ाया। आधुनिक दौर में सलमान खान, अक्षय कुमार और ऋतिक रोशन जैसे अभिनेताओं ने जासूसी के अलग-अलग अवतारों को जीवंत किया है।

जिलाधिकारी ने बिठूर सीएचसी का किया औचक निरीक्षण, 2 चिकित्सक समेत 3 कर्मचारी मिले गैरहाजिर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिठूर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी व्यवस्था, दवा उपलब्धता, अभिलेखों तथा मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के समय चिकित्सक डॉ. श्रद्धा वर्मा, डॉ. राजेश कुमार तथा स्वास्थ्यकर्मी शिवम पाल अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तीनों कार्मिकों का एक दिन का वेतन काटने तथा उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने भ्रमण पंजीका का अवलोकन किया तथा ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या और उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के स्टॉक का भी निरीक्षण किया और आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आउटसोर्सिंग कार्मिकों ने वेतन समय से न मिलने की समस्या जिलाधिकारी के समक्ष रखी। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर समस्त आउटसोर्सिंग कार्मिकों का वेतन समयबद्ध ढंग से भुगतान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्र पर उपस्थित मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।पद से सेवानिवृत्त, सेवा से नहीं डीएम ने डॉ. हनी मल्होत्रा की सराहना की

बिठूर सीएचसी के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी श्री जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्वास्थ्य विभाग में निदेशक स्तर के पद से सेवानिवृत्त डॉ. हनी मल्होत्रा के कार्यों की सराहना की। वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिठूर में आउटसोर्सिंग व्यवस्था के तहत तैनात डॉ. मल्होत्रा नियमित रूप से समय पर अस्पताल पहुंचकर मरीजों का उपचार करती हैं। भगवद्गीता के कर्मयोग के सिद्धांत से प्रेरित उनका सेवा भाव, अनुशासन और आत्मीय व्यवहार मरीजों के बीच उन्हें विशेष पहचान दिलाता है।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उनकी समयबद्धता, कर्तव्यनिष्ठा और मरीजों के प्रति समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी जनसेवा में सक्रिय रहना अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि डॉ. हनी मल्होत्रा जैसे चिकित्सक यह संदेश देते हैं कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति आजीवन उत्तरदायित्व है।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बूढ़नपुर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आरोग्य मंदिर बंद मिला। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से केंद्र बंद होने का कारण पूछा तथा आरोग्य मंदिर का नियमित एवं सुचारु संचालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

मोदी के 12 वर्ष सेवा कालखंड पूर्ण होने पर विधायक सुरेंद्र मैथानी ने पनकी मंदिर में की विशेष पूजा-अर्चना

» प्रधानमंत्री मोदी ने बनाया 4,399 दिनों की निरंतर सेवा का अभूतपूर्व रिकॉर्ड

» तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को छोड़ा पीछे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गौरवमयी 12 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर, गोविंद नगर विधानसभा से विधायक सुरेंद्र मैथानी के नेतृत्व में एक भव्य महाआरती के साथ, पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।

विधायक मैथानी ने कहा कि,प्रधानमंत्री मोदी जी देश के चुने हुए, पहले ऐसे प्रधानमंत्री बन गए हैं, जिन्होंने 12 वर्ष सेवा सुशासन और समर्पण के रूप में देश को समर्पित करते हुए, निरंतर 4,399 दिनों का रिकॉर्ड सेवा कालखंड राष्ट्र को समर्पित किया है। इस अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्रसिद्ध सिद्धपीठ बाबा बजरंगबली के पनकी मंदिर (पनकी धाम) में एक विशेष पूजा, आरती

और प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। राष्ट्र की उन्नति और मोदी जी की दीर्घायु के लिए पप्रार्थना की कि प्रधानमंत्री को दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और असीम ऊर्जा प्रदान करें, ताकि उनके नेतृत्व में भारतवर्ष इसी प्रकार विश्व पटल पर उन्नति और समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहे।विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा आज पूरा देश उनके इस बेदाग और कर्मठ सेवा कालखंड पर गर्व महसूस कर रहा है। बाबा पनकी वाले हनुमान जी से यही प्रार्थना है कि मोदी जी का मार्गदर्शक नेतृत्व देश को हमेशा मिलता रहे।

इस दौरान ललित उपाध्याय, विजय पटेल (मंडल अध्यक्ष), दीपक शुक्ला, मकसूदन, संजय बाजपेई,सत्येंद्र नाथ पांडेय, राजा पंडित, अरुण दुबे, जीतू बाजपेई,राघवेंद्र दुबे,किरण तिवारी, (पार्षद) आरती त्रिपाठी, सुलेखा, जया श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे रोकने को हाईवे पर बढ़ेगी निगरानी, 152 अतिक्रमण रडार पर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षित एवं निर्बाध यातायात सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग, सड़क सुरक्षा, आपातकालीन प्रबंधन की समीक्षा की गई।बैठक में परियोजना निदेशक एनएचएआई पंकज यादव ने बताया कि ड्रोन एनालिटिक्स मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे कुल 152 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। इन स्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आमजन टोल फ्री नंबर 1033 तथा 'राजमार्ग यात्रा' मोबाइल एप के माध्यम से भी राजमार्गों के किनारे हुए अतिक्रमण की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। एप पर जियो टैग्ड फोटो अपलोड करने, शिकायत की प्रगति जानने तथा निस्तारण की स्थिति देखने की सुविधा उपलब्ध है।जिलाधिकारी ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान के फालोदी दुर्घटना प्रकरण में राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध पार्किंग, अतिक्रमण और अनियंत्रित व्यावसायिक गतिविधियों को गंभीर चिंता का विषय माना है। न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में जिला हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर किसी भी भारी अथवा व्यावसायिक वाहन को निर्धारित ले-बाय, पार्किंग स्थल अथवा वे-साइड एमेनिटी के अतिरिक्त कहीं भी खड़ा नहीं किया जा सकेगा। सड़क किनारे अवैध पार्किंग पाए जाने पर संबंधित विभागों द्वारा तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित निरीक्षण एवं चौबीस घंटे गश्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट, टोल प्लाजा, इंटरचेंज, सर्विस रोड तथा प्रमुख जंक्शनों का विशेष निरीक्षण किया जाएगा। गश्ती दल अवैध पार्किंग, सड़क पर खड़े खराब वाहन, अतिक्रमण, क्षतिग्रस्त सड़क सुरक्षा अवसंरचना तथा सड़क किनारे संचालित अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखेगा। किसी भी दुर्घटना अथवा आपात स्थिति में एम्बुलेंस एवं राहत सेवाओं को तत्काल सक्रिय किया जाएगा।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय राजमार्गों को सुरक्षित, अतिक्रमण मुक्त और बाधारहित बनाए रखने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और निर्धारित समयावधि में कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पुलिस कमिश्नर के यहां दिया गया प्रतिवेदन, कार्यवाही का मिला आश्वासन

कानपुर। पंडित रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशनने बताया कि पुलिस थाना सजेती द्वारा अधिवक्ता परिवार से थाना चलाने के नाम पर की गई वसूली और बड़े अधिकारी को गिफ्ट में ए सी देने हेतु रु 55000 की मांग न देने पर सारी वकालत निकाल देने की धमकी का घोर विरोध करते हुए पुलिस कमिश्नर के यहाँ प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । पुलिस कमिश्नर तत्काल कार्यवाही करें।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त द्वारा किया गया पौधारोपण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आयकर कर्मचारी महासंघ पर आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत आयकर कर्मचारी महासंघ एवं आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ, पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड सर्किल की संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा आयकर कालोनी, राजस्व परिसर, लक्ष्मण बाग, स्वरुप नगर, कानपुर में सर्वप्रथम प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त अपर्णा करन मैडम द्वारा सपरिवार पौधारोपण किया गया इसके अलावा दोनों संघों के अध्यक्ष, महामंत्री एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी फलदार उपयोगी पौधों को लगाया।

इसके बाद मुख्य अतिथि ने शुभकामना संदेश देते हुए जागरुकता मार्च को झंडी दिखाकर प्रारम्भ किया, जो कृषि विश्विद्यालय, कंपनी बाग होते हुए वापिस कालोनी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर पर्यावरण बचाओ, पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ, जीवन बचाओ, हरित भारत, स्वस्थ भारत, नारों के साथ एकता, स्वास्थ्य, पर्यावरण आदि संकल्प के साथ बच्चों की उपस्थित उल्लेखनीय रही।इस विशेष कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संयुक्त आयकर आयुक्त (प्रशासन) आशीष चंद्र, आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार वर्मा, महामंत्री राघवेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार, संयुक्त सचिव शरद प्रकाश अग्रवाल, पूर्व साथी अजय तिवारी, आयकर कर्मचारी महासंघ के सर्किल अध्यक्ष बृजेश कुमार, सर्किल महासचिव सुनील कुमार, रीजनल अध्यक्ष नवनीत शुक्ला, प्रकाश दीक्षित, बृजेश बाजपेई, अनिल चौधरी, कोमल शर्मा, स्वाति, सोनल, शिवम पाल, अमित पटेल, संतोष कुमार, उमेश वर्मा, प्रवीण बाजपेई, सुशील त्रिपाठी, राजेश, राधेश्याम, आदि के साथ भारी संख्या में साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

व्यापार व उद्योग पर ऐप के माध्यम से जियो वाहन टैगिंग व्यवस्था

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की नौबस्ता गल्ला मंडी में बुलाई गई बैठक मे नौबस्ता गल्ला मंडी में व ऑनलाइन माध्यम से प्रदेश की मंडियों के व्यापारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य कृषि उत्पादन बंडी परिषद के निदेशक द्वारा उत्तर प्रदेश की 220 मंडियों मे सभी कृषि उत्पादों गल्ला, दलहन, तिलहन, गुड़,किराना, सब्जी व फल आदि के व्यापार व उद्योग पर ऐप के माध्यम से जियो वाहन टैगिंग व्यवस्था नए कृषि वर्ष 1 जुलाई 2026 से प्रयोग के तौर पर 2 महीने के लिए लागू करने की घोषणा कर दी है।

भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने आगे बताया कि वर्ष 2020 से ऑनलाइन व्यवस्था के तहत 9 आर ,6आर, गेट पास , प्रवेश पर्ची, स्टॉक सीमा आदि अन्य व्यवस्थाएं लागू हैं। इसके बाद एक और दूसरी समानांतर ऑनलाइन व्यवस्था लागू करना ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की अवधारणा के विपरीत है।

इस नई व्यवस्था से निश्चित रूप से कृषि उत्पाद के व्यापारी, उद्यमी और यहां तक कि किसान भी प्रभावित होंगे । ग्रामीण मंडियों में इस नई व्यवस्था के तहत कृषि उत्पाद आदि लोडिंग में दिक्कत आने पर किसानों का कृषि उत्पाद बिकने में दिक्कत आने पर उन पर भी प्रभाव पड़ेगा। कहा कि इस पूरी नई व्यवस्था का पुनः अध्ययन करते हुए व्यवस्था लागू होने से पूर्व या जुलाई माह में लागू होने के दौरान व्यवस्था की खामियों को बताकर खामियां दूर न होने पर इसका विरोध किया जाएगा ।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय वाजपेयी ने कहा छोटे वाहनों से मंडी से निकलकर ट्रांसपोर्ट नगर जा कर कई अलग अलग तरह के माल को ले जाने वाले परचून की ट्रकों के माध्यम से अन्य जिलों में जाने वाले कृषि उत्पादों के वाहन टैगिंग पर दिक्कत आएगी । तय हुआ कि इस प्रस्तावित नई व्यवस्था का पूरा अध्ययन करके इसके लागू होने से पूर्व या जुलाई माह में व्यवस्था देखने के उपरांत समस्या आने पर आगे की रणनीति तय की जाएगी और दिक्कतें आने व आवश्यकता पड़ने पर विरोध किया जाएगा । बैठक में राजेन्द्र मिश्र, राजकुमार जायसवाल ,रजत गुप्ता व मनोज द्विवेदी, उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा व अजय गुप्ता सोनी,संगठन मंत्री संदीप तिवारी, मंत्री नितिन त्रिवेदी, विजय किशोर गुप्ता, शिव कुमार गुप्ता, अवनीश शुक्ला, आशु गुप्ता, आशीष ओमर,किशोर अरोड़ा,श्याम जी गुप्ता,गोपाल वर्मा आदि उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई शुरू

» भीड़ प्रबंधन, टिकट व्यवस्था, सुरक्षा एवं यात्री सुविधाओं के लिए विशेष कार्ययोजना

» लखनऊ, झांसी, प्रयागराज, फतेहपुर सहित विभिन्न जिलों के लिए 24 घटें बस सेवा

» ई बसों का सुबह पांच बजे से शुरू कराया गया संचालन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस भर्ती परीक्षा दो पालियों में शुरू कराई गयी। इस परीक्षा में प्रत्येक दिन 38,880 अभ्यार्थी शामिल हुए, यानि एक पाली में 19440 अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी। प्रशासन द्वारा नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए कडी सुरक्षा व्यवस्था की। परीक्षा केंद्रो पर आने वाले हर अभ्यर्थियों के अलावा प्रचार्या, कक्ष निरीक्षक आदि की भी तलाशी ली गयी। शहर के 54 परीक्षा केंद्रो पर व्यवस्थाये चुस्त दुरूस्त दिखाई दी। पुलिस भर्ती परीक्षाओं के चलते जहां रेलवे प्रशासन द्वारा खास व्यवस्था की गयी थी वहीं कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड के तहत चलने वाली ई-बसों को सुबह पांच बजे से संचालन शुरू करा दिया गया।शहर के 54 केंद्रो पर पुलिस भर्ती परीक्षा के शुरूआत हो चुकी है। परीक्षा तीन दिन तक चलेगी और एक दिन में इस परीक्षा में 38,880 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षाऐ दो पालियों समें सम्पन्न कराई गयी। एक पाली में 19440 अभ्यर्थियों पर परीक्षा दी। परीक्षा के चलते परीक्षा केंद्रो के 100 मीटर के घेरे में दुकाने नही लगने दी गयी। परीक्षा सेंटर पर अभ्यर्थियों को सुबह की पाली में आई से साढे नौ बजे तक और दोपहर की पाली में एक से ढाई बजे तक ही प्रवेश दिया गया।। कानपुर प्रशासन द्वारा इन परीक्षाओं को नकल विहीन और व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए कडे और पुख्ता प्रबंन्ध किये गये है। केंद्रो में अभ्यर्थियों के साथ ही प्रचार्य, कक्ष निरीक्षक आदि की भी तलाशी लेकर प्रवेश दिया गया तो वहीं परीक्षाओं के लिए 54 इंसपेक्टर, 100 दरोगा, दो कंपनी पीएसी, रैपिड एक्शन फोर्स तथा दस क्यूआरटी सहित 1600 पुलिसकर्मी मुस्तैदी के साथ लगे रहे। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए सेंट्रल पर अतिरिक्त कोच रखा गया तो वही भीड प्रबन्धन तथा टिकट व्वस्था के लिए भी विशेष कार्ययोजना लागू की गयी। चैराहो तथा तिराहो पर भीड को नियत्रिंत करने के लिए तथा यातायात में असुविधा न हो इसके लिए 130 चैराहो-तिराहो पर पुलिसकर्मी तैनात रहे, वहीं सडक के किनारे क्रेन भी खडी रही, जिससे बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों को हटाया जा सके। परीक्षा केंद्रो पर अभ्यर्थियों की कतारे सुबह से ही लग गयी। प्रवेश पर अभ्यर्थियों की तलाशी ली गयी तथा उनके कागजातों को भलिभांति चेक किया गया। अभ्यर्थियों को जूते उतरवाये गये, उनके बालों को, उनके सामान व बैगों को भी चेक किया गया।पुलिस परीक्षा भर्ती परीक्षा के पहले दिन सोमवार को सुबह पहली पाली में ही पुलिस आयुक्त सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव विभिन्न परीक्षा केंद्रो पर पहुंचे और वहां स्थिति का जायजा लिया। साथ ही सडकों पर यातायात व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। उन्होने राजकीय इंटर कॉलेज, जीआईसी गल्स इंटर कालेज, हरसहाय पीजी, ज्वालादेवी विधा मंदिर, सेंट फ्रास्सेज इंटर कालेज, गुरूनानक गल्स कालेज सहित अन्य कॉलेजों का दौरा कर निरीक्षण करते हुए स्थिति का जायता लिया।

अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन ने जनप्रतिनिधियों, व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों के साथ की गोष्ठी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद फतेहगढ़ भ्रमण दौरान जनप्रतिनिधियों, व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ गोष्ठी कर जनसहभागिता के माध्यम से कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, अपराध एवं असामाजिक

गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा पुलिस एवं जनता के मध्य बेहतर समन्वय बनाए रखने पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यों से शांति, सौहार्द एवं सुरक्षित सामाजिक वातावरण बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। इसके उपरान्त मीडिया बन्धुओं से भेंट कर संवाद स्थापित किया गया तथा जनहित एवं सुरक्षा सम्बन्धी विषयों पर विचार-विमर्श करते हुए सकारात्मक समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया।

प्रदेश सरकार वापस ले निबंधन पंजीकरण व्यवस्था के बटवारा का आदेश, सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अधिवक्ता कल्याण संघर्ष समित के नेतृत्व में अधिवक्तागण जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां पर बोलते हुए संयोजक पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन ने बताया कि निबंधन दस्तावेजों का पंजीकरण निबंधन कार्यालय कोर्ट परिसर में होता था। महानिरीक्षक निबंधन उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश से अब विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से भी पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

शर्मा ने कहा इस आदेश का हम घोर विरोध करते है इस प्रणाली से निबंध दस्तावेजों की विधि गुणवत्ता समाप्त हो जाएगी जिससे तमाम वाद विवाद उत्पन्न होंगे इस तरह की कार्यप्रणाली आने से निबंधन कर्ताओं को अपने अधिवक्ताओं को लाने ले जाने में अधिक व्यय करना पड़ेगा,जो सस्ते और सुलभ न्याय सिद्धांत के विपरीत होने के साथ अधिवक्ता हितों के भी विपरीत है। इस योजना से रजिस्ट्री का कार्य करने वाले अधिवक्ताओं के कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

हमें ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार धीरे-धीरे अधिवक्ताओं के कार्यों को सीमित कर रही है एमिकस क्यूरी समाप्त कर दिए गए तहसील के काम भी छीन लिए गए और अब निबंधन पंजीकरण विभिन्न संस्थाओं को देने से अधिवक्ताओं के कार्यों पर असर पड़ेगा। जिसको अधिवक्ता समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। कहा हमारी मुख्यमंत्री से मांग है कि निबंधन कर्ताओं और अधिवक्ता हित में निबंधन की शुरू की जा रही। नई व्यवस्था को समाप्त कर चली आ रही व्यवस्था को ही यथावत रखें।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने ज्ञापन प्राप्त कर कहा कि आपका प्रतिवेदन कार्यवाही हेतु मुख्यमंत्री जी को भेज दिया जाएगा। इस दौरानसंजीव कपूर, राकेश सिद्धार्थ, शिवम गंगवार, आयुष शुक्ला, इंद्रेश मिश्रा, साजिद खान, सुधीर शर्मा ,चैतन्य जायसवाल, अमर दीप वर्मा, शाहिद जमाल ,वीर जोशी आदि उपस्थित रहे।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

कानपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के प्रथम दिवस की प्रथम पाली के दौरान पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता द्वारा पूर्वी जोन के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।निरीक्षण के दौरान विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण किया। इस दौरान परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जा रही निगरानी, यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया।

ड्यूटी पर तैनात समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण को सतर्कता, निष्पक्षता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा परीक्षा की शुचिता बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

कानपुर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा परीक्षा के सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं निर्बाध संचालन हेतु पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा सभी परीक्षा केन्द्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में एडवांस्ड नियोनेटल रिससिटेशन प्रोटोकॉल प्रशिक्षण का हुआ सफल आयोजन

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। नवजात शिशुओं की आपातकालीन देखभाल एवं पुनर्जीवन कौशल को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर के बाल रोग विभाग द्वारा एडवांस्ड नियोनेटल रिससिटेशन प्रोटोकॉल (ह्स्क्क) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र बिष्ट द्वारा प्रशिक्षक के रूप में किया गया। कार्यक्रम में सह-प्रशिक्षकों के रूप में डॉ. यशवंत कुमार राव, डॉ. रमेश चौधरी, डॉ. शैलेन्द्र कुमार गौतम एवं डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नवजात शिशुओं में जन्म के समय उत्पन्न होने वाली आपातकालीन परिस्थितियों के प्रबंधन, प्रभावी वेंटिलेशन, छाती दबाव , औषधियों के उपयोग तथा टीम-आधारित पुनर्जीवन तकनीकों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विभिन्न सिमुलेशन आधारित अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी निर्णय लेने का प्रशिक्षण दिया गया।

बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. गौतम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नवजात मृत्यु दर को कम करने एवं गुणवत्तापूर्ण नवजात देखभाल सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा भविष्य में भी ऐसे कौशल-विकास कार्यक्रमों के नियमित आयोजन पर बल दिया। कार्यक्रम में विभाग के चिकित्सकों, रेजिडेंट्स एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नवजात पुनर्जीवन संबंधी नवीनतम प्रोटोकॉल एवं तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री से जागृति शुक्ला के हत्यारों की गिरफ्तारी और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग

कानपुर। अधिवक्तागण जागृति शुक्ला के हत्यारों की गिरफ्तारी और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को ले पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन ने कहा कि अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों पर निरंतर हमले हो रहे हैं बिना बार संघों को सूचित किए गिरफ्तारियां की जा रही है और हत्याएं तक हो रही है।उन्होने कहा कुछ दिन पूर्व दुर्घटना में घायल इलाहाबाद की युवा अधिवक्ता जागृति शुक्ला सहित कई अधिवक्ताओं को इलाज की जगह अस्पताल में बंद कर उन पर जानलेवा हमला किया गया था,

जिसमें गंभीर घायल हुई जागृति शुक्ला की कल मृत्यु हो गई । रिपोर्ट के बाद भी हमलावारों को गिरफ्तार न किया जाना अत्यंत निंदनीय है। उक्त प्रकरण में मुख्यमंत्री जी से मांग है कि तत्काल जागृति के हत्यारो को गिरफ्तार कराए और उनके परिजनों को एक करोड़ रूपया मुआवजा देते हुए अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए।

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने प्रतिवेदन प्राप्त कर कहा कि प्रतिवेदन आवश्यक कार्यवाही हेतु मुख्यमंत्री जी को भेज दिया जाएगा। इस दौरान पूजा गुप्ता, अनिल दीक्षित, प्रीति त्रिपाठी, एस डी सिंह, संजीव कपूर, गौरव शुक्ला, शिवम गंगवार, साजिद खान, मोहित शुक्ला, नवनीत पांडेय, राकेश सिद्धार्थ, अनूप गुप्ता, रिजवान अली, आयुष शुक्ला, चैतन्य जायसवाल, इंद्रेश मिश्रा, वीर जोशी आदि उपस्थित रहे।

जुलाई के पहले सप्ताह में खातों में आ जायेगी विधवा पेंशन

कानपुर। अब जुलाई के पहले सप्ताह या फिर जून के अखिरी सप्ताह में विधवाओं के लिए विधवा पेंशन योजना की धनराशि उनके खातों में भेज दी जायेगी। दिसम्बर माह से कई विधवाओं के खातों में यह राशि नही पहुंची थी।

बता दे कि दिसम्बन्ध 2025 के बाद से 1280 विधवा महिलाओं की पेंशन की राशि उनके खातों में नही पहुंची थी, जिसमें लिए ऐसी महिलाएं विभाग के चक्कर लगा-लगाकर परेशान हो चुकी थी। मामला यह था कि पेंशन खातों का सत्यापन कराय गया था, जिसमें पाया गया था कि इन महिलाओं द्वारा आयकर देने की बात सामने आयी थी, इसलिए खातों में पेंशन नही भेजी गयी थी।इस बात को लेकर जब महिलाओं ने विभाग के चक्कर लगाये और अपनी बात अधिकारियों से बतायी, जिसके बाद पुनः लेखपालों द्वारा इन महिलाओं का सत्यापन कराया गया जिसमें यह महिलाएं पात्र मिली थी। इसके बाद इन महिलाओं की पेंशन के लिए प्रोबेशन अधिकारी ने संस्तुति महिला कल्याण निदेशालय से की थी। अब महिलाओं के खातें में तीन हजार रूपये की धनराशि जून के अखिरी या फिर जुलाई के पहले सप्ताह में आ जायेगी।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा कार्यालय में की गई जन-सुनवाई

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई। जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें।

शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिस कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए। जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के शान्ति मार्च को पुलिस ने रोका, पुलिस से भिड़े दिव्यांग

एडीसीपी सेन्ट्रल के आश्वासन पर पदयात्रा स्थगित

कानपुर। हम हैं काकरोच के पोस्टर के साथ राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने शांति मार्च निकालते का प्रयास किया जिसे पुलिस ने रोक दिया।शांति मार्च रोके जाने के विरोध में राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ गए और पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। बाद में एडीसीपी सेन्ट्रल डाक्टर अर्चना सिंह के आस्वाशन पर पदयात्रा स्थगित हो गयी।राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी दिव्यांगजन अपनी मांगों को लेकर, शासन और पुलिस महानिदेशक के आदेशों का अनुपालन करने सहित 23 सूत्री मांगों को पूरा करने कि मांग लम्बे समय से कर रहा है। थाना प्रभारी काकादेव व एसीपी स्वरुप नगर ने देर रात वार्ता का प्रस्ताव दिया था जिसे राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने ठुकरा दिया और सुबह वार्ता के लिए कहा। चौकी प्रभारी शास्त्री नगर सुबह 6 बजे से ही शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क में डेरा डाल दिया था । किसी को सेन्ट्रल पार्क से बाहर नहीं निकलने दिया ।बाद में पीड़ित नाजमा बनों कि रिपोर्ट दर्ज कि गयी और दिव्यांग कमल किशोर का 40 हजार रुपए प्रापर्टी डीलर से दिलाने पर व सभी मांगों पर त्वरित कार्यवाही कि गयी। उसके बाद पदयात्रा रोक दी गई । वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि जब तक सभी पीड़ित दिव्यांगों कि रिपोर्ट दर्ज नहीं हो जाती तब तक हम आन्दोलन वापस नहीं लेंगे। हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो अब लड़ाई आर पार कि होगी। हम जीवन के अन्तिम सांस तक दिव्यांगजनों के आधिकारों के लिए लड़ेंगे।प्रदर्शन में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र, कुमार जिला अध्यक्ष राहुल कुमार प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी, मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष कल्पना कुमारी, अरविन्द सिंह, वैभव दिक्षित, गुड्डी दीक्षित, गोमती वर्मा, सरला, तन्मय श्रीवास्तव, सतेन्द्र कुमार, मोहम्मद मेराजूददीन , प्रज्वल कुमार सिंह, राम जानकी आदि शामिल थे।

जिस बुजुर्ग की तलाश हो रही थी घर के बाहर, उसकी लाश सड़ी-गली अवस्था में पड़ी थी घर के अंदर

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। एक बजुर्ग जिसकी परिजन तलाश कर रहे थे उसकी लाश उसके अपने ही घर में कई दिनों तक पडी रही। लेकिन परिजनों को उसका पता नही चल सका। जब बदबू उठने लगी तो परिजनो और पडोसियों को घटना की जानकारी हुई।

जानकारी के अनुसार रावतपुर के आनन्द नगर में रहने वाले 92 वर्षीय इबक्स गन फैक्ट्री से रिटायर कर्मचारी थे। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में उसका पुत्र अनुराग तथा उसकी बहू प्रगति के अलावा पुत्र दो पोते तथा दो पोती है। एक पोती की शादी हो चुकी है जो अपने ससुराल में रहती है, जबकि एक पोती अलका इसी घर में रहती है। ईबक्श अपने मकान के निचले भाग मे रहते थे जहां पांच कमरे है, वहीं बाकी परिवार मकान के ऊपर के खण्ड में रहता है। पुत्र अनुराग ने बताया कि पिता मंगलवार से अचानक गायब हो गये, जिन्हे आस-पास, पडोस तथा रिश्तेदारी में काफी ढूंढा गया। लेकिन जब उनका कोई पता नही चल सका तो गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराकर ढूंढने का प्रयास जारी रहा।

वहीं जब परिजनो और मोहल्ले वालो को बदबू महसूस हुई और ज्यादा बढने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी तब इस बात की जानकारी हुई कि बुजुर्ग का शव घर के अन्दर ही पडा है।एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि मामला लापरवाही का है। सूचना के बाद मौके से शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया जा चुका है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाई की जायेगी।

इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 हेतु करें आवेदन

कानपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी कानपुर नगर विकास सिंह ने नगर वासियों को सूचित किया है कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (PMRBP 2026) हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए है। यह पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने वीरता, समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में असाधारण एव प्रेरणादायक उपलब्धियां प्राप्त की है एवं इस पुरस्कार हेतु ऐसे बालक एवं बालिकाए पात्र होगें। जिनकी आयु 05 वर्ष से 16 वर्ष के मध्य है। (आयु की गणना 31 जुलाई 2026 के आधार पर की जाएगी) जनपद कानपुर नगर से इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी अथवा उनके अभिभावक सरकार भारत की अधिकारिक वेबसाइट https://awards.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी एवं आवश्यक मार्गदर्शन हेतु इच्छुक अभ्यर्थी कक्ष संख्या-06. जिला प्रोबेशन कार्यालय, कलेक्ट्रेट कानपुर नगर मे सम्पर्क कर सकते है।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।